सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 344 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 26 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ट्रंप ने किया दवाइयों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान, पहले दी थी छूट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक अक्तूबर से दवाइयों से लेकर भारी ट्रकों तक आयातित सामान महंगे हो जाएंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवाइयों, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी, गद्देदार फर्नीचर और भारी ट्रकों पर नए आयात शुल्क यानी टैरिफलगाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दवाइयों पर 100 फीसदी, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50 फीसदी, फर्नीचर पर 30 फीसदी और भारी ट्रकों पर 25 फीसदी आयात कर लगाया जाएगा।

गुरुवार को उनके सोशल मीडिया पोस्ट से पता चला कि अगस्त में लगाए गए आयात करों और व्यापार समझौतों के बाद भी ट्रंप टैरिफलगाने के पक्षधर हैं। ट्रंप का मानना है कि इन टैरिफ से सरकार का बजट घाटा कम होगा और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इससे महंगाई और ज्यादा बढ़ सकती है और आर्थिक विकास पर भी असर पड़ेगा। खासकर दवाइयों पर टैरिफ का असर भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ने की संभावना है।

भारत पर पड़ सकता है नए टैरिफ का असर

ट्रंप के दवाओं के आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले का भारत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खासकर देश के दवा निर्माण उद्योग पर। बीते वित्त वर्ष में भारतीय उद्योगों की तरफ से दुनिया को करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये (27.9 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हुआ था। इसमें अमेरिका को ही करीब 77 हजार करोड़ रुपये (8.7 अरब डॉलर) की दवाएं निर्यात हुई थीं।

भारत के दवा निर्माताओं के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा है। 2025 के पहले छह महीनों में ही अमेरिका को कुल 32 हजार 505 करोड़ रुपये (3.7 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हो चुका है। ऐसे में 100 फीसदी टैरिफ लगने से अमेरिका में भारत की सस्ती दवाएं भी महंगी दरों पर बिकेंगी। जिन कंपनियों पर इस टैरिफ का सबसे ज्यादा असर पड़ने की संभावना है, उनमें डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, लुपिन समेत कई कंपनियां शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रंप के टैरिफका सबसे ज्यादा असर ब्रांडेड या पेटेंट कराई हुई दवाओं पर पड़ने की आशंका है, हालांकि जेनेरिक दवाओं को लेकर भी संशय की स्थिति है।

जल संचय जनभागीदारी 1.0 में छत्तीसगढ़ का परचम-राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान, रायपुर नगर निगम को प्रथम पुरस्कार

जन-संवाद और जनभागीदारी आधारित सुशासन नीति का प्रतिफल है यह सफलता -मुख्यमंत्री साय

- छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण में रचा नया इतिहास-मुख्यमंत्री ने दी जनता को बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर इतिहास रचा है। जल संचय जनभागीदारी 1.0 (JSJB) के परिणामों में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि जल प्रबंधन और जनभागीदारी के संगम का जीवंत उदाहरण है। प्रदेश में अब तक 4,05,563 कार्य पूर्ण कर जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन में बदल दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस सफलता पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल-संपदा की नींव है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में यह उस सामूहिक चेतना का प्रमाण है, जिसने छत्तीसगढ़ को देश के लिए एक प्रेरणा बना दिया है। प्रदेश के शहरी निकायों में भी छत्तीसगढ़ ने अपनी श्रेष्ठता स्थापित की है। रायपुर नगर निगम ने पूरे देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यहाँ 33,082 कार्यों के माध्यम से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया, बल्कि इसे जन-सहभागिता आधारित शहरी विकास का मॉडल बना दिया गया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को रायपुर के नागरिकों और निगम प्रशासन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया।

जिला स्तर पर भी छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कैटेगरी-1 में बालोद को प्रथम स्थान, राजनांदगांव को द्वितीय स्थान और रायपुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। इन तीन जिलों को पुरस्कार स्वरूप रुपए 2-2 करोड़ की राशि प्राप्त होगी। वहीं केटेगरी 2 में महासमुंद, बलौदा बाजार और गरियाबंद को रुपए 1-1 करोड़ से सम्मानित किया जाएगा। कैटेगरी 3 में बिलासपुर, रायगढ़, बलरामपुर, धमतरी, सुरजपुर और दुर्ग को उनकी उत्कृष्ट भागीदारी के लिए रुपए 25-25 लाख के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह दर्शाता है कि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण को प्राथमिकता के साथ अपनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि हर किसान, हर महिला, हर नौजवान और हर जनप्रतिनिधि का है, जिन्होंने पानी की हर बूंद को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही जनकल्याण संभव है और छत्तीसगढ़ ने इसे सिद्ध कर दिखाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह उपलब्धि राज्य की जन-संवाद एवं जनभागीदारी आधारित सुशासन नीतिज् का प्रत्यक्ष परिणाम है। मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और दीर्घकालिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बताया।

रायपुर नगर निगम को मिले राष्ट्रीय सम्मान पर मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निगम प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में सामुदायिक सहयोग से जल संचय की यह मिसाल पूरे देश के लिए अनुकरणीय है और अन्य नगर निगम भी इससे सीख सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि जल संरक्षण के इस अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि बूंद-बूंद का संरक्षण ही भविष्य की जल-सुरक्षा की गारंटी है। छत्तीसगढ़ की यह उपलब्धि एक बार फिर साबित करती है कि जब सरकार और जनता मिलकर कार्य करें तो असंभव भी संभव हो जाता है। JSJB 1.0 की सफलता ने न केवल प्रदेश को सम्मान दिलाया है, बल्कि इसे जल प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल भी बना दिया है।

छत्तीसगढ़ की उमा हिन्दी ट्रेड परीक्षा में देश में अव्वल, पीएम मोदी 02 अक्टूबर को करेंगे सम्मान

- स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेट्रियल असिस्टेंट हिन्दी ट्रेड परीक्षा में राज्य को किया गौरवान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला आईटीआई भिलाई की स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेट्रियल असिस्टेंट हिन्दी ट्रेड की प्रशिक्षणार्थी सुश्री उमा, अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा 24 सितंबर 2025 को विभिन्न ट्रेड्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 35 प्रशिक्षणार्थियों की सूची जारी की है। सुश्री उमा छत्तीसगढ़ राज्य से इस सूची में स्थान बनाने वाली इकलौती प्रशिक्षणार्थी हैं और अपने ट्रेड में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया है। सुश्री उमा सहित इन 35 छात्रों को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आगामी 02 अक्टूबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित चौथे कौशल दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सुश्री उमा ने अपनी संपूर्ण सफ्लता का श्रेय कौशल विकास के प्रति समर्पण और उन्नत प्रशिक्षण को दिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। युवाओं में कौशल विकास प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को सुधारने एवं प्रशिक्षण के साथ-साथ युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा गंभीरतापूर्वक महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। रोजगार एवं प्रशिक्षण के संचालक विजय दयाराम के विभाग का कार्यभार सम्हालते ही इस दिशा में कुशल मार्गदर्शन से सुश्री उमा की अखिल भारतीय स्तर पर सफ्लता साबित करती है कि बेहतर मागदर्शन का परिणाम मिलना प्रारंभ हो चुके हैं। दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक आर.बी. तिवारी और संस्था के प्राचार्य टी.के. सातपुते ने सुश्री उमा को बधाई देते हुये इस उपलब्धि का श्रेय विभाग के संचालक विजय दयाराम से प्राप्त मार्गदर्शन को दिया है।

पीएम मोदी ने लॉन्च की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, मिलेंगे 10-10 हजार रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार कई सारी योजनाओं को चलाती है और समय-समय पर कई लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं को लॉन्च भी करती है। इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 26 सितंबर को वीडियो कंफ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को लॉन्च किया है। इस योजना का लाभ बिहार की महिलाओं को मिलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने महिला रोजगार योजना को लॉन्च करने के साथ ही महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की है। इस पैसे को डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के खाते में भेजा गया है। अगर आप बतौर महिला अपना खुद का रोजगार शुरू करना चाहती हैं, तो इस योजना को तहत आपको 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। शुरू किए गए व्यवसाय की 6 महीने बाद समीक्षा होगी और फिर इसके बाद 2 लाख रुपये का अतिरिक्त लोन भी दिया जाएगा। अगर आप भी बतौर महिला इस महिला रोजगार योजना से जुड़ना चाहती हैं, तो आपको अपने ग्राम संगठन या जीविका समूह से संपर्क करना होगा। यहां से आप आवेदन कर इस महिला रोजगार योजना से जुड़ सकती हैं।

अलविदा मिग-21: कभी बना गेमचेंजर तो कभी उड़ता ताबूत के नाम से हुआ बदनाम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स के लड़ाकू विमान मिग-21 ने विभिन्न युद्धों में अपने अदम्य साहस का परिचय दिया है। यह विमान जहां एक ओर युद्धों में गेमचेंजर रहा वहीं उड़ता ताबूत और विडो मेकर कहकर इसे बदनाम भी किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर में भी था अलर्ट मोड पर

साल 1965 से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक तक विभिन्न अभियानों के तहत इस लड़ाकू विमान ने अहम भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर में भी यह विमान पूरी तरह अलर्ट मोड में था और इसकी लड़ाकू रैकी जारी थी। 26 सितंबर को यह विमान 62 साल के सफर के बाद इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा। इसकी विदाई इसके सबसे पहले घर चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन से ही होगी। यह विमान एयरफोर्स के सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों में से एक रहा है।

65 के भारत-पाक युद्ध से हुई थी शुरुआत

विभिन्न युद्धों में मिग-21 के ऐतिहासिक योगदान की बात करें तो सबसे पहले इस विमान ने साल 1965 के भारत-पाक युद्ध में हिस्सा लिया था। उसके बाद साल 1971 के युद्ध में भी यह विमान गेमचेंजर बना। वर्ष 1999 में ऑपरेशन सफेद सागर के दौरान कारगिल में भी इस विमान ने कौशल दिखाया। इस दौरान मिग-21 ने भारतीय इलाके में घुसपैठ कर रहे पाकिस्तान नेवल एयर आर्म के अटलांटिक विमान को मार गिराया था।

पायलट अभिनंदन ने भी भरी थी उड़ान

वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। उस दौरान भी इस लड़ाकू विमान की भूमिका अहम रही। जांबाज पायलट अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 बाइसन में ही उड़ान भरकर दुश्मन से लोहा लिया था। एयरफोर्स के एक आला अधिकारी बताते हैं कि मई 2025 ऑपरेशन सिंदूर में भी मिग-21 को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा हुआ था।

तेज रफ्तार में थी कम विजिबिलिटी की दिक्कत

आसमान में जिस जांबाजी के साथ यह विमान अपने टारगेट को अंजाम देता था उसका कोई जवाब नहीं था। रूस ने इन जहाजों को लगभग 40 साल की उम्र बताकर भारत को बेचा था मगर समय-समय पर भारतीय इंजीनियरों ने इसे अपग्रेड किया। नतीजतन आज ये विमान 62 साल की उम्र के बाद रिटायर हो रहे हैं। इसके साथ विडंबना यह रही कि लंबा समय और कुछ तकनीकी, मेंटेनेंस व कुछ मानवीय कमियों के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त भी होते रहे। इसी वजह से इन्हें उड़ता ताबूत और विडो मेकर कहा जाने लगा।

वर्ष 1963 में एयरफोर्स के जंगी बेड़े में शामिल यह विमान समय के साथ यह तकनीकी रूप से बूढ़ा होता गया। अभी तक देश में मिग-21 की करीब 490 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 200 से ज्यादा पायलटों की जान जा चुकी है। इनमें से कई घटनाएं तकनीकी खराबी, बर्ड हिट या रनवे पर विफलता के कारण हुईं। तेज रफ्तार के दौरान पायलट के लिए कम विजिबिलिटी भी एक बड़ी कमी थी।

दिमागी खोखलेपन से उपजी आस्था

श्रीकंचनपथ

वह बाबा पहले साल में एक-आध बार घर आता था। फिर बेटियां जवान होने लगीं तो उसका आना-जाना हर महीने होने लगा। फिर तो वह हफ्ते दो हफ्ते में ही आने लगा। इधर, घर का मालिक और मालकिन भी खुश की बाबा का विशेष स्नेह परिवार को मिल रहा है। बड़ी बेटी की उम्र अभी महज 14 साल की थी। एक दिन बाबा ने उसे अपनी गोद में खींच लिया और शरीर को सहलाते हुए उसके गालों को चूम लिया। बच्ची ने विरोध किया तो उसके पिता ने उसे चुप करा दिया। कहा-बाबा के बारे में ऐसा नहीं बोलना चाहिए। ऐसे हजारों लोग इस देश में मिल जाएंगे जो अपनी बीवियों और बच्चियों को किसी न किसी संकट से उबारने के लिए बाबाओं के हाथों खुशी-खुशी सौंप देते हैं। दिक्कत तब होती है जब कोई विरोध कर देता है। कानून बाबा-शाबा नहीं मानता। एफआईआर दर्ज होते ही बाबाओं की शामत आ जाती है। कोई विदेश भाग जाता है तो कोई भीड़ में गुम हो जाता है। जिसकी किस्मत खराब होती है, पुलिस की गिरफ्त में आ जाता है और फिर जेल में सड़ता रहता है। दरअसल, आदमी ऊपर से चाहे जितना भी शिक्षित हो जाए, उसके भीतर का खोखलापन उसे आस्थावान बना देता है। इन दिनों दिल्ली के एक मैनेजमेंट कॉलेज का संचालक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती सुर्खियों में है। चैतन्यानंद पर 17 लड़कियों ने छेड़छाड़ और यौन शोषण का आरोप लगाया है। फिलहाल वह फरार चल रहा है। चैतन्यानंद पर इससे पहले भी 2009 और 2019 में महिलाओं ने शिकायत दर्ज कराई थी। इससे पहले आसाराम, गुरमीत राम रहीम, रामपाल और नित्यानंद सरस्वती भी बदनाम हुए। 1970 में सुर्खियों में आये आसाराम के लाखों भक्त बन गए। अगस्त 2013 में उत्तर प्रदेश की एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में आसाराम को गिरफ्तार कर लिया गया, तब से वह जेल में बंद है। अक्टूबर 2013 में, आसाराम और उनके बेटे नारायण साई पर आश्रम में दो बहनों से दुष्कर्म का आरोप लगा। नित्यानंद स्वामी के खिलाफसाल 2010 में अश्लीलता के मामले दर्ज हुए थे। अभिनेत्रियों के साथ उसके हम बिस्तर होने की सीडी सामने आई थी। इसके बाद नित्यानंद फरार हो गया। इच्छाधारी संत स्वामी भीमानंद नागिन डांस करता था। 1997 में उसे लाजपत नगर इलाके से देह व्यापार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम अपनी दो शिष्याओं के साथ दुष्कर्म के आरोप में 20 साल की जेल की सजा काट रहा है। अनुयायियों का अटूट विश्वास ही इन तथाकथित आध्यात्मिक गुरुओं को वह अधिकार दे देता है जिसका उपयोग कर न केवल वो मालामाल हो जाते हैं बल्कि अपनी सभी इच्छाओं को पूरी करने लगते हैं। धर्मांध आस्थावान सहज उनके शिकार बन जाते हैं। सजा काटने के बाद भी ऐसे बाबाओं की लोकप्रियता कम नहीं होती। राजनीतिक समर्थन उन्हें और भी प्रभावशाली बनाता है।

संपादकीय

देवी-शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े पर्वों में से एक माने जाने वाले नवरात्र शुरू हो गए हैं। नौ दिन तक तन-मन की शुद्धि के लिए किए जाने वाले नवरात्र व्रत धार्मिक कर्मकांड मात्र नहीं हैं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी रखते हैं, और प्रतीक रूप में गहरा संदेश देते हैं। नवरात्र का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें और यह देवी-शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और शारदीय नवरात्रि मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शक्ति की आराधना और असुर शक्तियों पर विजय का प्रतीक है, परंतु यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्थान का उत्सव भी है।

आज के समय में जब समाज महिला असमानता, सामाजिक भेदभाव, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन आदि अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब नवरात्र हमें अवसर देते हैं कि इन समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार करें और समाधान खोजें। नवरात्र की कथा के अनुसार, दुर्गा देवी ने महिषासुर जैसे राक्षस का वध कर देवताओं और मानवता को अत्याचार से मुक्ति दिलाई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि जब अत्याचार अपनी सीमा पार कर लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक शक्ति का उदय होता है।

यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष हो, अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना हो या व्यक्तिगत जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाना। ये नौ देवियां धार्मिक प्रतिमाएं मात्र नहीं अपितु आधुनिक प्रतीक भी हैं। यदि इन्हें आधुनिक दृष्टि से देखें तो प्रत्येक देवी एक मानवीय मूल्य और सामाजिक आदर्श का प्रतीक है। एक नई दृष्टि के साथ इन देवियों के आधुनिक प्रतीको एवं अथरे पर दृष्टि डालते हैं। शैलपुत्री-पर्वतपुत्री शैलपुत्री धरती और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं।

आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, यह देवी हमें बताती हैं कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और टिकाऊ जीवन शैली अपनानी चाहिए। देवी ब्रह्मचारिणी-तपस्या और अनुशासन की प्रतीक हैं, जो संदेश देती हैं कि शिक्षा, आत्मसंयम और स्पष्ट जीवन-दृष्टि से ही प्रगति संभव है। चंद्रघंटा-साहस और वीरता की देवी हैं, जो सिखाती हैं कि समाज में अन्याय, अपराध और शोषण के खिलाफ निडर होकर खड़ा होना चाहिए। कुष्मांडा-सृष्टि की रचयिता कुष्मांडा आधुनिक युग में रचनात्मकता, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। स्कंदमाता-मातृत्व और पालन-पोषण की प्रतीक हैं, जो हमें याद दिलाती हैं कि अगली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना हमारा कर्त्तव्य है।

कात्यायनी-दमन और अन्याय के अंत की प्रतीक हैं, जो महिला सशक्तिकरण और न्यायपूर्ण समाज के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती हैं। कालरात्रि-अंधकार का नाश करने वाली देवी कालरात्रि हमें अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरु द्ध जागरूकता फैलाने का संदेश देती हैं। मां महागौरी-पवित्रता और शांति की प्रतीक हैं, और समाज में स्वच्छता, समानता और मानसिक शांति का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। सिद्धिदात्री जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ज्ञान, उपलब्धि और परिपूर्णता की प्रतीक देवी हैं, जो प्रेरित करती हैं कि हम कौशल और ज्ञान से आत्मनिर्भर और समर्थ बनें। इन नौ देवियों को यदि हम नौ सामाजिक स्तंभ मानें तो नवरात्रि हमें आत्म सुधार और समाज सुधार की एक पूरी रूपरेखा प्रदान करती है।

सामाजिक सुधार की दृष्टि से भी नवरात्र का महत्त्व कम नहीं है। नवरात्रि का मूल ही स्त्री-शक्ति की उपासना है। नवरात्र में हम संकल्प लें कि बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना है, यह संकल्प ही इस पर्व को सार्थक बना सकता है। नवरात्रि आत्म शुद्धि का समय है। अवसर है कि हम अंधविश्वास, जातिवाद, छुआछूत, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा लें। प्रकृति अपने आप में देवी का स्वरूप है। अत: नवरात्र में वृक्षारोपण, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और जल-संरक्षण का संदेश समाज को दिया जा सकता है।

पूजा में इको-फ्रेंडली सामग्री का प्रयोग करके यह पर्व पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। नवरात्रि में सामूहिक आयोजन जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाने के अवसर होते हैं। ऐसे में सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा सकते हैं, जो समाज को जोड़ने का काम करें। नवरात्रि में व्रत-उपवास का अपना ही महत्त्व है। इसे केवल धार्मिक नियम न मान कर स्वस्थ जीवन शैली, नशा-मुक्ति और मानसिक शांति का अभ्यास बनाया जा सकता है। अत: कहा जा सकता है कि नवरात्रि धार्मिक पर्व मात्र नहीं है, बल्कि आत्म-संयम, सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का अवसर है। यदि हम नवरात्रि को सामाजिक सुधार की दृष्टि से मनाएं तो यह पर्व महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बन सकता है।

व्यापार में सुगमता बढ़ाने से अभूतपूर्व निवेश आकर्षित हो सकता है

डॉ. सौम्य कांति घोष, 16वें वित्त आयोग के सदस्य, पीएमईएसी (प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद) के सदस्य और भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर

हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत पर भरोसा दोहराया है। यह भरोसा भारत की अर्थव्यवस्था की उस मजबूत संरचना को साबित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में कठिन मेहनत से तैयार की गई है। इससे व्यापार को लेकर उठने वाला संदेह और शोर-शराबा भी शांत हुआ है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपत्ति का बराबर बंटवारा हो और सभी को समान अवसर मिलें, सरकार ने बारबेल रणनीति अपनाई है। इसके तहत नीतियों और नियमों में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं, ताकि ईज ऑफ बिजनेस के अलग-अलग स्तंभ मजबूत हों। साथ ही, बड़े पैमाने पर औपचारिकीकरण, वित्तीयकरण और तकनीकी एकीकरण को जरूरी बनाया गया है।यह निवेश आकर्षित करने और अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए अनिवार्य है।

महामारी के बाद भू-राजनीतिक हालात ने मैन्युफैक्चरिंग के तरीके बदलने की जरूरत पैदा कर दी। इसी के चलते भारत ने एक नई राह पकड़ी है, जहां ईज ऑफएग्जिट यानी व्यापार से बाहर निकलने की आसानी पर जोर दिया जा रहा है। यह निवेशकों के लिए बहुत अहम है क्योंकि वे पूंजी लगाते समय इस सुविधा को देखते हैं। साल 2000 से अब तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है, जिसमें सेवाएं, तकनीक और टेलीकॉम जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा लाभान्वित हुए हैं (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही तक ही लगभग 25 अरब डॉलर निवेश आया है)।

जब सेबी विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित एवं सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत- एफआई) लागू करता है, कम जोखिम वाले माने जाने वाले प्रमुख विदेशी निवेशकों के लिए पहुंच को सरल बनाता है, या आरबीआई फेमा दिशानिर्देशों में बहुप्रतीक्षित बदलाव लाता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रुपये का उपयोग बढ़ता है, तो अटलांटिक पार से आने वाली हलचलें अविस्मरणीय होती हैं। संस्थागत सुधारों की सफलता आईबीसी, संपत्ति पुनर्निर्माण, इंफ्रा फाइनेंसिंग और बैंकिंग, बीमा व वित्तीय सेवाओं में प्लग-एंड-प्ले मॉडल के रूप में दिखती है। इन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल इसे और मजबूत बना रहा है। जनसंख्या के पैमाने पर कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं, जैसे पीएमएवाई (3.2 करोड़ घरों को मंजूरी), मुद्रा (कुल 52 करोड़ से अधिक खातों में 33.65 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जिसमें 68% महिला उद्यमी हैं), पीएम-स्वनिधि (96 लाख से अधिक ऋण खातों के माध्यम से 68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया गया), उद्यम (उद्यम सहायता पोर्टल की गणना करते हुए 6.86 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकरण), श्रम सुविधा (2018 से 6.63 लाख ईएसआईसी पंजीकरण, 6.49 लाख ईपीएफओ पंजीकरण और फर्मों द्वारा 1.29 लाख अनुबंध श्रमिक पंजीकरण के साथ श्रम और रोजगार पोर्टल का अनुपालन), स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवासीय संपत्ति स्वामित्व समाधान जिसमें 9 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है), नक्शा (प्रारंभ में 150 शहरों में पायलट कार्यक्रम के साथ शहरी भूमि पार्सल का व्यापक, जीआईएस-एकीकृत डेटाबेस, जिसे पूरे भारत में 4,912 शहरी स्थानीय निकायों तक विस्तारित किया जाएगा), एसएएससीआई (केन्द्र से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण) और औपचारिकीकरण भी लगातार बढ़ रहा है। इन सारी योजनाओं ने मिलकर भारत की मेहनत और लचीलापन दोनों को नई ताकत दी है। इससे पहले शुरू की गई कई योजनाओं को मजबूती मिली है, स्मार्ट सिटी मिशन से लेकर हर घर जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक। इन योजनाओं का असर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि नए निवेश को आगे बढ़ाने और सहारा देने में भी दिख रहा है।

2021 से अब तक जीएसटी संग्रह 1.9 गुना बढ़ा है (94% की वृद्धि), कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 2.2 गुना बढ़ा है (116% की वृद्धि), इनकम टैक्स वसूली 2.42 गुना बढ़ी है (143% की वृद्धि), टैक्स देने वालों की संख्या 1.4 गुना (37% वृद्धि) बढ़ी है, यानी लगभग 2.5 करोड़ नए करदाता जुड़े हैं। खास बात यह है कि निचले वर्ग के करदाता अब धीरे-धीरे ऊंचे स्तर पर पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियों का मुनाफ़ (बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं को छोड़कर) 2021 से अब तक 2.4 गुना यानी लगभग 136% बढ़ा है।

कंपनियों के औपचारिककरण को और बढ़ावा देने के लिए, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में 1.85 लाख से अधिक कंपनियाँ बनीं। वहीं, 2024-25 में शुरुआती आंकड़े लगभग 1.63 लाख कंपनियों के पंजीकरण को दिखाते हैं। इसके साथ ही, वर्तमान में रजिस्ट्रार ऑफकंपनीज (आरओसी) में लगभग 18.5 लाख सक्रिय कंपनियां दर्ज हैं। लेकिन भारत ने करीब 8.5 लाख निष्क्रिय/अप्रचालित कंपनियों को अपने रिकॉर्ड से हटा दिया है। इससे यह साफ होता है कि भारत बेनामी और फर्जी कंपनियों को प्रणाली से बाहर करने के लिए प्रतिबद्ध है। मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद को वित्तपोषण से रोकने (सीएफटी) के मोर्चे पर भारत के निरंतर प्रयासों की पिछले साल वैश्विक निगरानी संस्था ने सराहना की थी।

नवाचार (इनोवेशन) के क्षेत्र में हाल के वर्षों में भारत ने गहरी छाप छोड़ी है। कॉपीराइट, पेटेंट, बौद्धिक संपदा और ट्रेडमार्क के मामले में भारत की वृद्धि दर अब विकसित देशों के बराबर खड़ी है। पश्चिमी देशों का दबदबा अब चीन की वजह से कमजोर हुआ है, क्योंकि चीन के पास महत्वपूर्ण तकनीक और दुर्लभ खनिजों में बढ़त है। ऐसे में हमें इस बेहद अहम क्षेत्र पर खास ध्यान देना होगा और शिक्षा जगत, संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग का एक गतिशील मॉडल आगे बढ़ाना होगा।

गौर करने वाली बात है कि भारत के स्टार्ट-अप्स ने सरकार के सहयोग (अर्थात स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स) और फंडिंग सहायता से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक संकट और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बाद आई फंडिंग विंटर (निवेश की कमी) से बाहर निकलने में सफलता पाई। कई सफल स्टार्ट-अप्स ने सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक ऑफ रिंग) के जरिए पूंजी बाजार में प्रवेश किया है। 2014-15 से अब तक मुख्य बोर्ड पर 764 सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ, एफपीओ, ओएफएस आदि) और एसएमई प्लेटफॉर्म पर 1200 से ज्यादा निर्गम (इस साल तक) हुए हैं। इसने यह साबित किया है कि पूंजी बाजार निवेशकों को आसानी से एग्जिट (निवेश से बाहर निकलने) का रास्ता देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पूंजी के इस चक्रीय प्रवाह और उसके गुणक प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि नई और छोटी कंपनियां भी अपने विकास के अलग-अलग चरणों में फंडिंग तक पहुँच बना सकें।

भारत को वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों (वर्तमान उभरते बाजारों के सूचकांकों से एक महत्वपूर्ण क्षण) में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए हमारे ऋण बाजार को नए सिरे से संतुलित करना जरूरी होगा होगा, साथ ही, बहु-आयामी ढांचे (एनआईपी, एनएमपी, पीएम गति शक्ति) के लिए बड़े पैमाने पर फंडिंग की आवश्यकता होगी इसलिए अब भारतीय निजी कंपनियों को वैश्विक सोच अपनानी होगी, दुनिया भर में ब्रांड इंडिया की मजबूत पहचान बनानी होगी और भारतीय प्रवासी समुदाय की बड़ी प्रतिभा को साथ जोड़कर तेज और साझी प्रगति की दिशा में बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना: सौर ऊर्जा से हरित भविष्य की ओर कदम

योजना बनी आमजन के लिए राहत एवं बचत का नया विकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप बिजली बिल की समस्या का समाधान करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। यह योजना तेजी से बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं और बिजली दरों में इजाफे के बीच आम नागरिकों के लिए राहत एवं बचाव का नया विकल्प बन रहा है।

योजना आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है, इससे न केवल बिजली की बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रहा है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक विद्युत स्रोतों पर निर्भरता घट रही है, जिससे आर्थिक और पारिस्थितिक दोनों स्तरों पर राहत मिल रही है। इस योजना से लाभान्वित होकर आमजन सौर ऊर्जा से हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रुपये से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजनांतर्गत 01 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 45 हजार रुपये, 02 किलोवाट में 90 हजार रुपये और 03 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाती है। योजना अंतर्गत लगाए गए सोलर प्लांट को नेट मीटरिंग प्रणाली से जोड़ा जाता है, जिससे अतिरिक्त उत्पन्न बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है और उपभोक्ता को उसका लाभ आय के रूप में प्राप्त होता है। इसके साथ ही कम ब्याज दर एवं आसान किश्तों में बैंक फायनेंस भी उपलब्ध है। इस योजना से पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक बचत और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को एक साथ बढ़ावा मिल रहा है।

लाभ लेने वेबसाइट या मोबाइल एप से करें आवेदन

इस योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को https://pmsuryaghar.gov.in या PMSuryaGhar मोबाइल एप पर पंजीकरण कर लॉगिन आईडी प्राप्त करनी होती है। इसके बाद पोर्टल पर सूचीबद्ध वेंडर का चयन कर बिजली विभाग के कर्मचारी की सहायता से ऑनलाइन आवेदन किया जाता है। अनुबंध के बाद वेंडर द्वारा प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर लगाया जाता है। सत्यापन पश्चात सरकार द्वारा सब्सिडी सीधे खाते में अंतरित की जाती है। इसके अतिरिक्त यदि उपभोक्ता चाहे, तो शेष राशि के लिए 07 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना एक ऐसी पहल है, जो न केवल आर्थिक रूप से नागरिकों को सशक्त बना रही है, बल्कि अक्षय ऊर्जा की दिशा में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध हो रही है।

उपभोक्ताओं को मंहगे बिजली बिल से राहत

योजना का लाभ लेने में आमजनों का उत्साह साफदेखा जा रहा है। इस योजना के लाभार्थी मुंगेली संदीपनपुरी गोस्वामी ने बताया कि सरकार की इस योजना से बहुत लाभ मिला। हमनें आवेदन किया, सब्सिडी मिली और छत पर सिस्टम लग गया। अब घर में नियमित बिजली की सुविधा मिल रही है। इसके साथ ही जो बिजली ज्यादा बनती है, वो ग्रिड में जाती है और उसका फायदा भी हमें मिलता है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन को धन्यवाद देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस योजना का लाभ लेने की अपील की।

एक अतुल्यत पर्यटन स्थल के रूप में भारत का विकास

रितेश अग्रवाल एक आतिथ्य श्रृंखला, PRISM के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी

भारत की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व इसे दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक मनपसंद पर्यटन स्थरल बनाते हैं। फिर भी, इस क्षेत्र को वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में ही वह प्राथमिकता मिली है जिसका यह हकदार है—अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक और सॉफ्ट पावर के एक साधन, दोनों ही रूपों में। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षमता को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी पहचाना था। पर्यटन भारत में अब केवल फुरसत में छुट्टियां बिताने का साधन भर नहीं रह गया है; यह रोज़गार, गौरव और विश्व मानचित्र पर भारत को स्थोपित करने का माध्यहम भी बन गया है।

पिछले एक दशक के दौरान, भारत में परिवहन अवसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राजमार्ग, रेलवे और विमानन नेटवर्क उन क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जो पहले दुर्गम हुआ करते थे। स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटन) और प्रशाद (PRASHAD) - तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान - जैसी योजनाओं ने आस्था और संस्कृति के प्राचीन मार्गों को पुनर्जीवित किया है और साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर भी पैदा किए हैं। पिछले दशक के दौरान निर्मित प्रत्येक राजमार्ग, हवाई अड्डा और तीर्थ गलियारा केवल अवसंरचना मात्र नहीं है - यह भारत की विरासत की ओर एक सेतु है।

मोदी के विजन ने अध्यात्म, स्वास्थ्य, एडवेंचर और व्यावसायिक पर्यटन पर जोर देते हुए अतुल्य भारत 2.0 में नई जान फूंक दी है। बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे विशेष सर्किट, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और गुजरात में स्टैच्यू ऑफयूनिटी लाखों लोगों को आकर्षित करने वाली ऐतिहासिक परियोजनाएं हैं। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी से तबाह हो गया था, साल 2024 में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए फिर से तैयार हो गया। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा केवल 40,000 का था। महाकाल की नगरी के रूप में पुनर्जीवित उज्जैन ने साल 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों को आकर्षित किया।

काशी ने 11 करोड़ तीर्थयात्रियों का स्वागत किया, जबकि बोधगया और सारनाथ ने साल 2023 में 30 लाख से अधिक साधकों को आकर्षित किया। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के केवल छह महीनों के भीतर, 11 करोड़ से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। महाकुंभ 2025, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम, में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। केदारनाथ का पुनरुद्धार, काशी का कायाकल्प, और अयोध्या का पुनर्जन्म यह दर्शाता है कि किस प्रकार आस्था और अवसंरचनाएं मिलकर यात्रा को पुनर्परिभाषित कर सकते हैं।

डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटीज पर ध्यान केंद्रित करने से बुनियादी ढाँचों और पहुँच में और सुधार हुआ है। आधुनिक हवाई अड्डे, उन्नत राजमार्ग, बेहतर रेल संपर्क और निर्बाध डिजिटल बुकिंग प्रणालियों ने यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बना दिया है। डिजिटल ऐप्स, बहुभाषी हेल्पलाइन और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी भले ही छोटे बदलाव लगें, लेकिन इन सबने मिलकर भारत को दुनिया के सबसे ज्यादा यात्री-अनुकूल स्थलों में से एक बना दिया है।

साथ ही, वीजा मानदंडों में ढील और विस्तारित ई-वीजा नीति ने विदेशी पर्यटकों के आगमन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। सरकार ने इको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि भारतीय पर्यटन का भविष्य संतुलन में है - विकास के साथ-साथ स्थाायित्वी, बुनियादी ढाँचों के साथ-साथ विरासत और आधुनिकता के साथ-साथ परंपरा।

जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे उच्च-स्तरीय वैश्विक आयोजनों की भारत द्वारा मेजबानी ने न केवल आतिथ्य सत्कार, बल्कि सांस्कृतिक गहराई को भी प्रदर्शित किया। ऐसे अवसरों ने भारत को एक आधुनिक अर्थव्यवस्था और एक शाश्वत सभ्यता, दोनों के रूप में स्थापित किया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और विदेशों से अधिक से अधिक पर्यटकों को प्रोत्सा,हित किया।

नीतियों से परे, मोदी जी जिस तरह से भारतीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों का समर्थन करते हैं, उसका एक व्यक्तिगत पहलू भी है। योग को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने से लेकर केदारनाथ में नंगे पैर चलने और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पानी में गोता लगाने तक, उन्होंने न केवल भाषणों के माध्यम से, बल्कि अपने अनुभवों के माध्यम से भी दुनिया को भारत से परिचित कराया है। ऐसा करके, वे स्वयं एक सांस्कृतिक राजदूत बन गए हैं, और इस विचार को पुष्ट कर रहे हैं कि ब्रांड इंडिया का निर्माण केवल बोर्डरूम या नीतिगत दस्तावेजों में ही नहीं, बल्कि वाराणसी के घाटों, हिमालय की चोटियों और केरल के तटों पर भी हो रहा है।

श्री मोदी पर्यटन का सिर्फ समर्थन ही नहीं करते; वे उसे साकार भी करते हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय स्थलों का बार-बार प्रदर्शन, भाषणों में स्थानीय त्योहारों और परंपराओं का जिक्र, और भारतीयों से पहले भारत को जानो का आह्वान, इन सबने घरेलू पर्यटन के प्रति गौरव का भाव जगाया है। यहाँ तक कि आधिकारिक दौरों पर उनका पहनावा-चाहे नागा शॉल हो, हिमाचली टोपी हो या तमिल वेष्टि-क्षेत्रीय पहचान और परंपराओं के प्रति उनका सम्मापन होता है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है।

एक राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक राजनेता, दोनों के रूप में मोदी भारत की सौम्य शक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिकता के महत्व को समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच और जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके संबोधन अक्सर भारत की विरासत को गौरवान्वित करते हैं। योग और आयुर्वेद के प्रति उनके वैश्विक प्रोत्साहन ने भारत को समग्र स्वास्थ्य के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। आज, देश भर के ध्यारन-आश्रम 120 से अधिक देशों के साधकों को आकर्षित करते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे प्राचीन पद्धतियां दुनिया भर में आधुनिक जीवनशैली को आकार दे रही हैं।

इस प्रकार, उनके नेतृत्व में पर्यटन रोज़गार, विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। भारत में साल 2024 में घरेलू पर्यटकों की संख्याआ 294.76 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.36% अधिक है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र निरंतर विस्तृोत हो रहा है, भारत न केवल अपने अतीत का जश्न मना रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण भी कर रहा है जहाँ हर क्षेत्र का वैश्विक मानचित्र पर अपना एक स्थान हो। प्रत्येक राज्य, शहर और गाँव को अब अपनी कहानी कहने का अवसर मिला है—और मोदी जी के नेतृत्व में ये कहानियाँ दुनिया तक पहुँच रही हैं।

एक ऐसे नेता के साथ जो ब्रांड इंडिया की शक्ति में विश्वास रखता है, भारतीय पर्यटन का भविष्य मजबूत, गतिशील और चिरस्थायी है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने किया रक्तदान

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा.पा. स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय दुर्ग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं सहित अन्य संगठन के सहयोग से कुल 12 यूनिट रक्तदान किया गया। महाविद्यालय की छात्राएं पूर्व में भी जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में सक्रिय रूप से अपनी सहभागिता निभाती रही हैं। रक्तदान शिविर को जीवन दान की सेवा और रचनात्मक कार्य बताते हुए छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे आगे भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेती रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में हुआ। आयोजन में डॉ. सुषमा यादव, डॉ. यशेश्वरी, डॉ. रेशमा लाकेश, जागृत ठाकुर, डॉ. दीपक कश्यप एवं अरविंद लोखंडे की उल्लेखनीय भूमिका रही।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, सिविल सर्जन डॉ. ए.के. मिंज, आरएमओ डॉ. अखिलेश यादव, जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर, ओम सत्यम शिक्षण समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, ब्लड बैंक स्टाफ एवं महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं। रक्तदान शिविर के इस आयोजन ने छात्राओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भाव की भावना को और मजबूत किया।

बीएसपी के शिक्षा विभाग द्वारा प्रोत्साहन प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों के बच्चों की शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिये पुरस्कृत करने हेतु प्रोत्साहन-प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 26 सितम्बर 2025 को महात्मा गाँधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में किया गया है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित रहेंगे। भिलाई इस्पात संयंत्र की सीएसआर पहल के अंतर्गत संचालित प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य भिलाई इस्पात संयंत्र में विगत दो वर्षों में कम से कम तीन माह की अवधि पूर्ण कर चुके ठेका श्रमिकों के बच्चों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित और प्रेरित करना है। इस योजना के तहत सत्र 2023-24 में 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 235 विद्यार्थियों को क्रमशः 5000, 8000 और ?10000 की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जायेगा। यह पहल न केवल छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करती है, बल्कि उन्हें उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित कर उनके भविष्य निर्माण में भी सहायक है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया

- विद्यालयों में डोम और बालक-बालिका शौचालय निर्माण की घोषणाएँ
- छात्रों को उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएँ
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लिटिया में पात्र छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरित की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। शासकीय प्राथमिक शाला गनियारी में शाला संचालन को सही पाया गया। वहीं, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला/हाईस्कूल गनियारी में मुख्य विषय के कालखंड में शिक्षक स्टाफ रूम में बैठे पाए जाने पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि किसी भी एन.जी.ओ. या बाहरी व्यक्ति को जिला शिक्षा अधिकारी की अनुमति के बिना विद्यालय में प्रवेश न दिया जाए। प्रभारी प्राचार्य रजनी पुरोहित के कार्यों पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नगपुरा में शाला संचालन और विद्यार्थियों से संवाद के बाद मंत्री ने प्रशंसा व्यक्त की। संस्था प्रमुख की मांग पर डोम निर्माण और बालक-बालिका के लिए पृथक-पृथक शौचालय निर्माण की घोषणा की गई तथा रिक्त पदों पर परीक्षण कर भर्ती कराने का आश्वासन दिया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हिर्री धमधा में भौतिक और रसायन विषयों के प्रायोगिक कार्य अधूरे पाए जाने पर मंत्री ने प्रभारी प्राचार्य मनिराम मनडारे और भौतिक शास्त्र के व्याख्याता कल्पना शुक्ला के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त की और सुधार हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पूर्व माध्यमिक शाला, हिर्री में प्रधानपाठक हरिहरनो द्वारा संचालित अध्यापन व्यवस्था की मंत्री ने प्रशंसा की। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लिटिया में पात्र छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरित की गई और डोम निर्माण की घोषणा की गई। विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्य पूछने पर डॉक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस., और शिक्षक बनने की आकांक्षाएँ सामने आईं, जिस पर मंत्री ने सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, शाला संचालन, प्रायोगिक कार्य और छात्राओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया तथा सभी विद्यालयों में सुधार, आवश्यक निर्माण कार्य और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान में नया बस स्टैंड परिसर चमका जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने मिलकर किया श्रमदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत स्वच्छोत्सव थीम पर बुधवार सुबह नया बस स्टैंड परिसर में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, महापौर अलका बाघमार कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा सहित बड़ी संख्या में निगम अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारी एवं नागरिकों ने भागीदारी की।

कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने मिलकर करीब एक घंटे तक झाड़ू लगाकर परिसर की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान की शुरुआत पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर नया बस स्टैंड परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। नेताओं ने कहा कि उपाध्याय जी का अंत्योदय दर्शन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान का मार्ग दिखाता है और यही विचार हमें सेवा व स्वच्छता की दिशा में प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री, सांसद और महापौर ने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखना केवल सरकार या निगम का कार्य नहीं है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को यह भी संकल्प कराया गया कि वे अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करेंगे। कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। यह केवल अभियान नहीं, बल्कि एक जनांदोलन है, जिसमें सभी को जुड़ना होगा। सांसद विजय बघेल ने कहा स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। हमें स्वच्छता को आदत नहीं, बल्कि जीवनशैली बनाना होगा। महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम हर स्तर पर स्वच्छता को लेकर प्रयासरत है, लेकिन वास्तविक सफलता तभी मिलेगी जब नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसमें सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

उद्यानों को संवारने बढ़े हाथ, आयुक्त संग नागरिकों ने मिलकर किया जंगल क्लीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रजत जयंती व स्वच्छता ही सेवा अभियान के नवें दिन नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के तालपुरी ए ब्लाक स्थित क्लब हाऊस उद्यान की सफाई की गई। क्षेत्रीय नागरिकों ने उद्यान में श्रमदान किया। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे स्वच्छता अभियान में नागरिक उद्यान में गंदगी नहीं फैलाने का संकल्प भी लिया।

इसी पखवाड़े में नगर पालिक निगम रिसाली ने क्षेत्र के सभी उद्यानों की सफाई करने की कार्य योजना तैयारी की है। इसी के तहत गुरूवार को जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और नागरिकों ने एक साथ तालपुरी ए ब्लाक क्लब हाऊस और निकट के उद्यान की सफाई करने हाथ बढ़ाया। इस उद्यान में जंगली घास और झाड़िया उग आई थी। निगम कर्मचारियों ने घास कटर से जंगली घास की सफाई की। वहीं नागरिकों ने खरपतवार को उखाड़कर बाहर किया। इस अवसर पर पार्षद सविता ढवस, नेताप्रतिपक्ष, शैलेन्द्र साहू, पार्षद माया यादव, शीला नारखेड़े, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, अजीत चैधरी, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, उप अभियंता जयंत शर्मा, रेवती रमन, गोपाल सिन्हा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी अमित चंद्राकर समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

सफाई निगम कर्मचारियों ने पहले किया। इसके बाद सुबह 10 बजे कर्मचारी और नागरिक उद्यान पहुंचे। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि उद्यान को उजाड़ बनाने और गंदगी फैलाने वालों से जुर्माना वसूल किया जाए।

बार एवं रॉड मिल के कैपिटल रिपेयर कार्य में सुरक्षा उत्कृष्टता हेतु कार्मिक सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) के कैपिटल रिपेयर के कार्य में योगदान देने वाले समर्पित कार्मिकों को 24 सितम्बर 2025 को बीआरएम के विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री द्वारा प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यस्थल पर सुरक्षा और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने में विभिन्न अनुभागों के कार्मिकों ने अनुकरणीय योगदान दिया। बीआरएम के वी. इमानुअल (विद्युत अनुभाग), एन. सतीश कुमार (यांत्रिकी अनुभाग) तथा रामाराव (प्रचालन अनुभाग) ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्यस्थल को सुरक्षित बनाए रखने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री शास्त्री ने कर्मठ कार्मिकों के टीमवर्क, सुरक्षित कार्य संस्कृति और समयबद्ध कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस टीम ने कैपिटल रिपेयर कार्य को निर्धारित समय सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण कर सहयोगात्मक कार्यशैली का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। विदित हो कि बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) के केपिटल रिपेयर कार्य दिनांक 05 से 11 सितम्बर 2025 तक, कुल 7 दिनों की अवधि में संपन्न किया गया। इस दौरान अनेक महत्वपूर्ण रिपेयर एवं मॉडिफिकेशन कार्य निष्पादित किए गए। निर्धारित समय के भीतर उत्पादन पुनः प्रारंभ सुनिश्चित करने हेतु सभी कार्मिकों ने अनवरत परिश्रम और पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया। इस व्यापक रिपेयर कार्य में विभिन्न विभागों और संबद्ध एजेंसियों का समन्वय सराहनीय रहा।

इस अवसर पर बीआरएम विभाग के महाप्रबंधकगण एस. एन. त्रिपाठी, शाश्वत मोहंती, समीर पांडे, शिखर तिवारी, उप महाप्रबंधक तुषार श्रीखंडे, विजी मथाई सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारीगण ने इन कार्मिकों के सुरक्षात्मक कार्यप्रणाली की सराहना की और उन्हें अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल ने समाज सेवा को समर्पित की पैतृक भूमि, पुलगांव मुक्तिधाम भवन का लोकार्पण सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 55, पुलगांव में नवनिर्मित मुक्तिधाम भवन का लोकार्पण एक भावनात्मक और प्रेरणादायी अवसर पर सम्पन्न हुआ। यह मुक्तिधाम भवन डॉक्टर शरदचंद्र अग्रवाल द्वारा अपनी पैतृक भूमि समाज सेवा के लिए समर्पित करने से संभव हो पाया है। यह कार्य दुर्ग शहर ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक अद्वितीय मिसाल बन गया है।

यह भूमि प्रतिष्ठित समाजसेवी दाऊ स्व. राजीव लोचन अग्रवाल (घुघरू दाऊ) एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती राधिका देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र कृषक डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल द्वारा समर्पित की गई है। इस पुनीत कार्य में उनकी बहनें, डॉ. (श्रीमती) सविता व्यास और डॉ. (श्रीमती) भावना अग्रवाल का भी सहयोग और मार्गदर्शन रहा।

डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि उन्हें अपने पूज्य माता-पिता से यह सीख मिली कि स्वयं के हित से बढ़कर परिवार का हित और परिवार के हित से बढ़कर समाज का हित होता है। इन्हीं सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए उन्होंने यह भूमि समाज सेवा के लिए प्रदान की। उन्होंने कहा कि समाज सेवा से जुड़े कुछ कार्य व्यक्ति को सदैव जीवंत बनाए रखते हैं और यह मुक्तिधाम उसी भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

नवनिर्मित मुक्तिधाम परिसर में शेड और प्रतीक्षालय का निर्माण प्रशासन के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इसके लोकार्पण के अवसर पर क्षेत्रीय जनता की भारी उपस्थिति रही और सभी ने इस कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्यगण ङ्क नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, मनीष साहू, लीलाधर पाल, नीलेश अग्रवाल, पुलगांव पार्षद अश्विनी निषाद, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, महेंद्र लोढ़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्रामवासी डॉ. राजेश साहू, लक्ष्मीकांत दुबे, रवि चौहान, दीपक निषाद, अशोक यादव, खोरबहरा निषाद (पूर्व पार्षद), कपिल, सुदामा यादव, सेवक एवं बड़ी संख्या में पुलगांव ग्रामवासी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन न केवल पुलगांव के लिए बल्कि पूरे दुर्ग शहर के लिए गर्व का विषय बना। डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल का यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए समाज सेवा और लोकहित के कार्यों की प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रावणभाठा मैदान में विभिन्न कार्यों के लिए 51.65 लाख मंजूर

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायपुर नगर निगम के रावणभाठा मैदान में विभिन्न कार्यों के लिए 51 लाख 65 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इसके आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने रायपुर नगर निगम के शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड (वार्ड-62) में रावणभाठा स्थित मैदान में पेवर ब्लॉक, बैडमिंटन कार्ट में टॉयलेट, प्रवेश द्वार और पेवर ब्लॉक फिटिंग के लिए 45 लाख 68 हजार रुपए मंजूर किए हैं। रावणभाठा मैदान में हाई-मास्ट लाइट के लिए भी पांच लाख 97 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

मणिकर्णीका एक्सपो 27 से

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा दशहरा और दीपावली से पूर्व 27 एवं 28 सितंबर को दो दिवसीय मणिकर्णीका एक्सपो का आयोजन अग्रसेन धाम में करने जा रहा है जहां विभिन्न राज्यों से लोग आ रहे है। एक्सपो का शुभारंभ नगर निगम की महापौर मीनल चौबे सुबह 11 बजे करेंगी। इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल, बॉबी जैन, संध्या अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक जन उपस्थित रहेंगे।

प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने बताया कि एक्सपो सुबह 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक रहेगा जहां सूरत से रियल डायमंड गोल्ड ज्वेलरी, जयपुर की साडि़यां, कोलकाता की डिजाइनर ड्रेस, दिल्ली से फुटवियर, मुंबई से ज्वेलरी के स्टॉल तो लगेंगे ही इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के लोग भी स्टाल लगाकर एक छत के नीचे अपना सामान बेचेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता 5 अक्टूबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति द्वारा 5 अक्टूबर को स्व. गुलाब चंद शर्मा की स्मृति में प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का आयोजन सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में किया जा रहा है जिसमें पुरुष एवं महिला एकल (आयु वर्ग 40, 50, 60, 65, 70, 75) वर्ग हेतु कुल मिलाकर 12 वर्गों में आयोजित की जा रही है।

उक्त प्रतियोगिता के सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सचिव सार्थक शुक्ला और सचिव विनय बैसवाड़े ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से कुल मिलाकर लगभग 150 पुरुष एवं महिला खिलाडियों के भाग लेने की संभावना है एवं प्रतियोगिता लीग पद्धति में खेली जायेगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक खिलाड़ी को कई मैच खेलने का अवसर मिले। यह आयोजन टेबल टेनिस के क्षेत्र में वरिष्ठ खिलाडि़यों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राज्य स्तर पर मास्टर्स खिलाडि़यों के बीच प्रतिस्पर्धा और समरसता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छत्तीसगढ़ में टेबल टेनिस खेल को और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अनुभवी खिलाडि़यों को खेलने का अवसर मिले।

महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर में एनएसएस स्थापना दिवस पर छात्रों ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 56वीं स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनुपमा जैन, डॉ. श्वेता शर्मा ,प्रो. ललित वर्मा तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लक्ष्मीकांत साहू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एनएसएस गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरे सभागार में देशसेवा और समर्पण की भावना जागृत हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी , डॉ. श्वेता शर्मा एवं डॉ. लक्ष्मीकांत साहू ने अपने संबोधन में एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर नव-निर्वाचित रासेयो पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया और उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस के पूर्व छात्र-छात्राओं पंडित प्रेम किशोर शर्मा ,उपमन्यु ठाकुर, ऋषभ ,विनय देवांगन, एश्वर्या देवांगन ने भी अपनी अनुभव साझा किए, जिनमें सेवा, नेतृत्व और सामाजिक जागरूकता के प्रेरक प्रसंग सामने आए।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ी, मराठी, पंजाबी और बॉलीवुड गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया, वहीं पूर्व एनएसएस स्वयं सेविका व छत्तीसगढ़ी गायिका कंचन जोशी ने मधुर गीत प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन एनएसएस इकाई छात्रा सिमरन तथा जसमीत कौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस की छात्रा अलका यादव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं सहित अन्य विभाग के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में दल नायक विकास रजक,रितिक ,सेजल, अलका, एश्वर्या, पायल, महेंद्र, दुर्गेश, वीणा, लवनीता, नेहा, प्रिंस, अन्वेशा, गुलशन,धनेश एवं यश भट्ट की भूमिका प्रमुख रही।

आंगन बाजाार लगाने महिलाओं में नहीं हुआ उत्साह कम, लोगों ने की खूब खरीददारी

महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि समाज के विकास की बुनियाद है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैग्नेटो मॉल में बाजार हमारे सपनों का आँगन (बाजार) का भारी बारिश के बीच जोरदार आगाज हुआ जहां बाजार लगाने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची हुई थी। जैसे ही बाजार का शुभारंभ हुआ यहां खरीदी करने के लिए बड़ी संख्या में मॉल घूमने आए लोगों ने खूब खरीदी की। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला विंग एवं अविनाश ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में यह बाजार हर महीने के दूसरे और चौथे बुधवार को सुबह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक लगेगा। इस अवसर पर सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, चेंबर संरक्षक एवं पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, सलाहकार तिलोकचंद बरड़िया, अमर गिदवानी, वाइस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा उपस्थित थे।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि समाज के विकास की बुनियाद है। इसी सोच के साथ हमने इन प्रतिभाशाली महिलाओं को मैग्नेटो मॉल में बिना किसी शुल्क के स्टॉल उपलब्ध कराए हैं, ताकि वे अपनी मेहनत और लगन से बनाए गए उत्पादों को लोगों तक पहुँचा सकें। यह सिर्फ एक बाजार नहीं है, बल्कि महिला उद्यमियों के सपनों को पंख देने की एक शुरुआत है।

महिला चेंबर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने कहा कि आज का यह दिन हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक पल है। हमारे सपनों के आंगन बाजार का शुभारंभ करते हुए बेहद गर्व महसूस हो रहा है। यह सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि उन सभी महिला उद्यमियों के सपनों को साकार करने का एक मंच है, जो अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं। हमने महसूस किया कि कई महिलाओं के पास प्रतिभा और उत्कृष्ट उत्पाद हैं, लेकिन उन्हें सही प्लेटफॉर्म नहीं मिल पाता इसीलिए महिला चेंबर ने यह पहल की है और इन महिलाओं को मैग्नेटो मॉल में निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए हैं। हम चाहते हैं कि वे बिना किसी आर्थिक चिंता के अपने व्यापार को आगे बढ़ा सकें। बाजार में हर प्रकार की वस्तुएं उपलब्ध है जैसे कपड़े, जूट के बैग्स, फाइल फोल्डर, रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तुएं शामिल है।

इस अवसर पर कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी, विकास आहूजा, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, संतोष जैन, दिलीप इसरानी, सोनिया साहू, सुदेश मध्यान, हरिराम तलरेजा, मंत्री आलोक शर्मा, किशोर कुंदनानी, जतिन नचरानी, महिला चेंबर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता, महामंत्री मनीषा तारवानी, कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष मधुबाला सिंह, उपाध्यक्ष डिंपल खट्टर, कांता धीमन, युवा प्रभारी सुनिधि पांडे, विकासीय सलाहकार मंजूषा परियल, वित्तीय सलाहकार हेमल शाह, प्रबंधक मनीषा सिंह, राजनितिक सलाहकार प्रीति उपाध्याय, कोऑर्डिनेटर स्वाति सोनी, आभा मिश्रा, रश्मि वाधवा, सविता गुप्ता, शिल्पी सोनार, अंगूरी देवी, मारवाड़ी समाज से अरुणा अग्रवाल, स्नेह फाउंडेशन से संगीता अग्रवाल, प्रज्ञा अग्रवाल, अविनाश ग्रुप से सुगंधा सिंघानिया, जीतो की महामंत्री अंकिता बरेडिया, कला साधना संस्थान से साधना ढांड, बिलासपुर महिला चेंबर, सोनी समाज, वनबंधु परिषद, कोपलवानी, वुमन वेब कम्युनिटी से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जवाहर नगर मंडल ने हांडी तालाब में चलाया सफाई अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत शनिवार को जवाहर नगर मंडल ने रायपुर के हांडी तालाब और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। सुबह 8 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में मंडल पदाधिकारियों ने तालाब के अंदर फैली जलकुंभी और कचरे को हटाया।

इस दौरान पूर्व सभापति एवं लौह शिल्पकार मंडल अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने तालाब के ऐतिहासिक महत्व को बताया और लोगों से इसे गंदा न करने की अपील की। जोन 7 की अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद श्वेता विश्वकर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक लगातार चलेगा। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। वहीं साहित्य अकादमी अध्यक्ष शशांक शर्मा ने श्रमदान करते हुए लोगों से घर का कचरा डस्टबिन में एकत्र कर कचरा गाड़ी में डालने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे भी लगाए गए। लगाए गए पौधों को लोहे की जालियों से सुरक्षित किया गया ताकि उन्हें नुकसान न पहुंचे। इस अवसर पर प्रफुल्ल विश्वकर्मा, केदारनाथ गुप्ता, शशांक शर्मा, जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल, पार्षद श्वेता विश्वकर्मा, भाजपा जिला रायपुर से अकबर अली, असगर अली, राजीव मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश पांडे, युवा मोर्चा पदाधिकारी अश्वनी विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

बाढ़ आपदा प्रबंधन के तहत बचाव राहत के लिए रायपुर नगर सैनिकों ने किया 'मॉक ड्रिल'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बाढ़ आपदा प्रबंधन के तहत बचाव राहत हेतु नगर सैनिकों ने किया 'मॉक ड्रिल' रायपुर। होमगार्ड के सैनिक सुबह सिंगारभाट के जिला सेनानी कार्यालय परिसर में ग्राम आतुरगांव व सिंगारभाट के बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को फौरी तौर पर रेस्क्यू करते हुए उनकी जान बचाई। साथ ही बाढ़ की चपेट में आए गाय-बकरियों को भी तात्कालिक रूप से बचाते हुए उन्हें सुरक्षित स्थान पर लाया गया। इस दौरान प्रशिक्षित नगर सैनिकों ने पानी में डूबते हुए ग्रामीण, बाढ़ के चलते पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाते हुए युवक तथा दूसरे छोर पर फंसे ग्रामीणों की जान बचाई।

यह दृश्य जिला कार्यालय से लगे ग्राम सिंगारभाट के जिला सेनानी कार्यालय परिसर में सुबह देखने को मिला, जब नगर सैनिकों ने आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले आपदा प्रबंधन और बचाव कार्य का मॉक ड्रिल (काल्पनिक दृश्य) किया। भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु के दौरान प्राकृतिक आपदा एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों को बचाने व राहत दिलाने के लिए उक्त मॉक ड्रिल संबंधित विभागों के परस्पर समन्वय से किया गया। इस दौरान नगर सैनिक के जवानों ने बचाव कार्य के लिए क्रमशः बोट को प्रभावित क्षेत्र में लेकर जाना, उसमें सभी प्रकार के आवश्यक उपकरण रखना, फिर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन कराते हुए पीड़ित ग्रामीणों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित ढंग से लाने का प्रदर्शन किया। इसके अलावा मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ में फंसे गाय, बैल एवं बकरियों को सुरक्षित ढंग से बाहर निकालने का भी प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। तत्पश्चात बाढ़ में जलभराव के चलते भवन में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर सीढ़ी के माध्यम से बाहर लाने का लाइव डेमो किया गया। इसके बाद प्रभावित लोगों का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण मेडिकल टीम द्वारा किया गया तथा आवश्यकतानुसार उन्हें एम्बुलेंस के जरिए समीप के स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाने का प्रदर्शन किया गया।

इसके उपरांत नंदनमारा पुल के समीप रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का मार्ग डायवर्ट करने और राहत प्रबंधन का प्रदर्शन नगर सैनिकों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, जिला सेनानी, जल संसाधन, वन, जनसम्पर्क, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, पुलिस, पशु चिकित्सा, विद्युत, खाद्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, दूरसंचार, परिवहन, नगरीय निकाय, कोष एवं लेखा, कृषि तथा एनसीसी के कैडेटस् आदि संपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रक्रिया से अवगत हुए तथा विभागीय दायित्वों के संबंध में मौके पर उन्हें जानकारी दी गई। इस दौरान एडिशनल एसपी दिनेश कुमार सिन्हा, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा, संयुक्त कलेक्टर नोडल अधिकारी श्रीमती सरस्वती बंजारे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बचाव कार्य में प्रयुक्त उपकरणों का किया गया प्रदर्शन

मॉक ड्रिल के दौरान नगर सैनिकों के द्वारा बाढ़ प्रबंधन एवं बचाव कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों एवं उनकी उपयोगिता का भी प्रदर्शन किया गया। इनमें एल्युमिनियम बोट, ओबीएम, एचडीपीई लाइफ बोट, लाइफ जैकेट, सर्चिंग लाइट, मनीला रोप, नायलोन रोप, रबर दस्ताने, कटिंग प्लायर, तारपोलिन शीट, चप्पू, लोहा कांटा, कंबल, फर्स्ट एड बॉक्स, ओबीएम स्टैण्ड, लाइफबोट ट्रॉली तथा माइक इत्यादि शामिल थे।

महापौर ने स्वच्छता शपथ दिलवाई, पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर किया माल्यार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महात्मा गाँधी द्वारा दिखाये हुए स्वच्छता के मार्ग पर चलकर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस दिनांक 25 सितम्बर 2025 को सुबह 8 से 9 बजे तक तेलीबाँधा चौक रिंगरोड चौक के समीप स्वच्छ भारत मिशन की एक पहल स्वच्छोत्सव स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 अंतर्गत एक दिन एक घण्टा एक साथ स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छ भारत मिशन शाखा द्वारा रखा गया।

स्वच्छता श्रमदान आयोजन में पहुंचकर रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने सभापति सूर्यकान्त राठौड़, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, पार्षद प्रभा मनोज विश्वकर्मा सहित नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता रघुमणि प्रधान, स्वच्छ भारत मिशन सहायक नोडल अधिकारी सहायक अभियंता योगेश कडु, विषय विशेषज्ञ प्रमिल चोपड़ा, सूरज चंद्राकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सर्वश्री बारोन बंजारे, उमेश नामदेव, भूषण ठाकुर, स्वच्छता निरीक्षक, गिरिजेश तिवारी, भोला तिवारी, गणमान्यजनों, आमजनों के साथ मिलकर झाड़ू लगाकर कचरा उठाकर श्रमदान करते हुए सफाई की और जन-जन को सकारात्मक सामूहिक स्वच्छता सन्देश दिया।

महापौर मीनल चौबे द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों, गणमान्यजनों, नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, आमजनों को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान दिनांक 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत स्वच्छोत्सव अंतर्गत सामूहिक स्वच्छता शपथ दिलवाई।

निगम मुख्यालय में सभापति राठौड़ व आयुक्त विश्वदीप ने किया सफाई, श्रमदान और दूरदर्शन से साक्षात्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'स्वच्छता ही सेवाङ्क2025' अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छोत्सव 2025' में रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन में दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के साथ मिलकर सफाई श्रमदान का आयोजन किया गया। सभापति सूर्यकांत राठौड़ और दूरदर्शन रायपुर के उप महानिदेशक संजय कुमार मिश्रा ने महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। श्रमदान में रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, कार्यपालन अभियंता एवं स्वच्छ भारत मिशन रायपुर के नोडल अधिकारी रघुमणि प्रधान, सहायक नोडल अधिकारी एवं सहायक अभियंता योगेश कडु, दूरदर्शन रायपुर के हेड ऑफ प्रोग्राम नीलम सोना और उपनिदेशक आर.एस. टाइगर, विषय विशेषज्ञ प्रमीत चोपड़ा धीरेन्द्र दुबे, पीआईयू सूरज चंद्राकर, निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं सफाईमित्र भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दूरदर्शन छत्तीसगढ़ ने सभापति का साक्षात्कार कर निगम के स्वच्छता संबंधी उपलब्धियों, कार्यों और पहल के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छ भारत मिशन रायपुर के नोडल अधिकारी से भी इस संबंध में संक्षिप्त वार्तालाप किया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सनी लियोनी ने की भारत की पहली एआई फीचर फिल्म कौर वर्सेज कोर का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठ गया पर्दा

बालीवुड की फेमस एक्ट्रेस सनी लियोनी एक एआई फिल्म बना रही है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं। सनी की फिल्म का नाम कौर वर्सेज कोर है। इस फिल्म को पैपराजी एंटरटेनमेंट कंपनी के बैनर तले बनाया जा रहा है और मेकर्स ने इस फिल्म को भारत की पहली एआई फीच फिल्म कह रहे हैं। सनी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं। एक किरदार इंसानी सुपर हीरो का होगा और दूसरा एआई अवतार होगा।

हाल ही में सनी ने एक इंटरव्यू में पूछा गया कि डायरेक्टर अनुराग कश्यप एआई सिनेमा को नापसंद करते हैं। इसपर उनका क्या कहना है। सनी ने इसका जवाब देते हुए बताया कि टेक्नोलाजी शक्ति है और अगर आपको किसी चीज के बारे में जानकारी है तो आप चीजों को समझेंगे। इस तरह का सिनेमा इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। मुझे यकीन है कि इससे लोगों को ज्यादा नौकरियां मिलेंगी। साथ ही फिल्मों को एक अलग दिशा में लाया जा सकेगा।

वहीं सनी लियोनी ने आगे बताया कि अगर अनुराग सर यहां बैठे होते तो मैं चाहती कि वो मेरी बात को समझें और शायद में उन्हें बदल पाती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक इंसान के बारे में एक प्यारी बात ये है कि हमारी अपनी फिलासफी है और जिस तरह से हम जिंदगी को देखते हैं वो दूसरों से बहुत अलग है और ये सब ठीक है।

सनी लियोनी से इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या इंडियन आडियंस इस तरह के एआई कंटेंट के लिए तैयार है, इस पर सनी ने कहा कि हम अपने आडियंस को पूरा क्रेडिट नहीं देते और मानते हैं कि ये उन्हें पसंद नहीं आएगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर दिन कंटेंट कंज्यूम कर रहे हैं। कोविड ने जो किया वो ये है कि हम कैसे कंटेंट कंज्यूम करते हैं और उनकी दुनिया बनाना, जो पहले से ही बहुत अलग है। बता दें कि सनी लियोनी की एआई फिल्म अलगे साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक होगी।

स्लीवलेस ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड में अपने बोल्ड फिगर और स्टनिंग ड्रेसिंग सेंस को लेकर अक्सर इंटरनेट पर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस दिशा पाटनी आए दिन अपने ग्लैम लुक से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं।दिशा पाटनी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर अपना प्यार लूटाते हैं।

अभिनेता दिशा पाटनी ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेत्री ने स्लीवलेस ड्रेस में कई सिजलिंग पोज दिए हैं। दिशा की तस्वीरों पर कई यूजर्स लाइक कर रहें हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। तस्वीरों पर कमेंट करते हुए मौनी रॉय ने लिखा परी।

एक दूसरे यूजर ने उन्हें परफेक्ट बताया हैं। दिशा 12 दिसंबर को सुर्खियों में आई थी। अज्ञात हमलावारों ने उनके घर पर गोलीबारी की थी। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। दिशा पाटनी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपने स्टनिंग फैशन और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस से फैंस का दिल जीत लेती हैं। फैंस समेत कई बॉलीवुड स्टार्स उनकी तस्वीरों को देख कर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपना प्यार दिलखोलकर लूटा रहे हैं। एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस दिशा को इंस्टाग्राम पर 54 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

साड़ी पहनकर रुबीना दिलैक ने फैंस से पूछा मजेदार सवाल

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों अपने नए रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी शानदार अदाकारी और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाने वाली रुबीना ने हाल ही में फैंस से पूछा है कि क्या उन्हें और ज्यादा साड़ी पहननी चाहिए।

रुबीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह गहरे नीले रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस लुक में उन्होंने मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर और हाथों में चूड़ियां पहनीं, जो उनकी पारंपरिक सुंदरता को निखार रहा है। उनके खुले बाल उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। रुबीना ने इन तस्वीरों के साथ फैंस से एक मजेदार सवाल पूछा, क्या मुझे साड़ी ज्यादा बार पहननी चाहिए? उनकी पहली तस्वीर में वह स्टाइलिश अंदाज में पोज देती दिख रही हैं, तो दूसरी तस्वीर में वह कमर पर हाथ रखकर आत्मविश्वास भरा पोज दे रही हैं।

इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। एक फैन ने कमेंट किया, ब्यूटीफुल, तो किसी ने उन्हें बास लेडी कहकर संबोधित किया। एक अन्य यूजर ने लिखा, प्रिटी लुक, रुबीना! एक प्रशंसक ने उनके खुले स्ट्रेट बालों की तारीफ करते हुए लिखा, आपके बाल इस लुक में कमाल के लग रहे हैं। रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कान्टेस्ट में अवार्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं, जिसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी करने गई थीं, लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था।

एक बार उन्होंने अपनी फ्रेंड के कहने पर टीवी सीरियल छोटी बहू के लिए आडिशन दिया और सेलेक्ट भी हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू, और शक्ति जैसे हिट शो दिए हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बालीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बास 16 की विनर भी रही हैं।

दो असफल शादियों के बाद टीवी अभिनेत्री दलजीत कौर को जिंदगी में दिखी उम्मीद की किरण

टीवी अभिनेत्री दलजीत कौर की जिंदगी में उम्मीद की एक नई किरण मिल गई है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने इसके बारे में फैंस को बताया है। यह कुछ और नहीं, पेंटिंग है, जिसे छोड़ने के बाद दलजीत कौर ने कभी नहीं सोचा था कि वह फिर से ब्रश हाथ में पकड़ेंगी।

अभिनेत्री दलजीत कौर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने दिल की बात कही और बताया कि वह फिर से वही कर रही हैं जो उन्हें पसंद है। उन्होंने पेंटिंग के लिए जरूरी सामान खरीदते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए दलजीत कौर ने एक भावुक नोट भी लिखा। दलजीत ने लिखा, दो साल पहले मैंने सोचा था कि मैं फिर कभी पेंटिंग नहीं करूंगी। आज मैं ब्रश उठा रही हूं—इसलिए नहीं कि अतीत ने मुझे दुख नहीं पहुंचाया, बल्कि इसलिए कि भविष्य भी रंगों का हकदार है। वीडियो में दलजीत पेंटिंग के लिए जरूरी साजो-सामान को एक स्टोर से चुन-चुन कर खरीदती दिख रही हैं। इसके बाद वह कार से इस सामान को घर ले जाती हैं और यहां फिर से उसे अनपैक कर पेंटिंग की तैयारी करती हैं। इंस्टा स्टोरी में दलजीत ने फोटो भी शेयर की है जिसमें पेंटिंग के लिए टेक्सचर रेडी हो गया है, यह बताया है। बहुत जल्द ही उनकी पेंटिंग फैंस के सामने आएगी।

इससे पहले एक पोस्ट में दलजीत ने अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करने के बारे में फैंस को बताया था। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में उनके जीवन की उथल-पुथल और भावनात्मक उतार-चढ़ाव ने उन्हें फिट होने से रोक दिया। इसका एक वीडियो भी दलजीत ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। इसमें वह जिम में कड़ी मेहनत करती दिखाई दे रही थीं। बता दें कि दलजीत कौर की दो शादियां हो चुकी हैं। 2009 में दलजीत ने कुलवधू शो में अपने सह-कलाकार रहे अभिनेता शालीन भनोट से शादी की थी। उनका एक बेटा भी है, मगर 2015 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद दलजीत कौर ने 2023 में निखिल पटेल से शादी की थी। शादी के कुछ महीने बाद ही तलाक हो गया था।

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ने बताया, क्यों आकर्षक लगा उन्हें दूरियां का किरदार

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ये रिश्ते हैं प्यार के और जिद्दी दिल माने ना जैसे धारावाहिकों में यादगार अभिनय के लिए मशहूर हैं। इन दिनों वो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे शो दूरियां में सोनिया का किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं। कावेरी प्रियम ने यह किरदार क्यों चुना और यह उनके दूसरे किरदारों से कैसे अलग है, उन्होंने एक इंटरव्यू में इसके बारे में बताया।

अभिनेत्री इस शो में एक ऐसी महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो प्रोफेशनल लाइफ में तो बड़ी मजबूत है, लेकिन पर्सनल लाइफ में काफी संघर्ष करती है। कावेरी प्रियम ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, सोनिया के किरदार की जटिलता ने मुझे इसकी तरफ तुरंत आकर्षित किया। वह न सिर्फ एक मजबूत महिला है, बल्कि एक तरीके से कमजोर भी है। पेशेवर तौर पर वह महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वासी है, लेकिन निजी जिंदगी में वह असुरक्षित और बेहद भावुक है। इस किरदार का यही द्वंद्व उसे मेरे लिए आकर्षक बनाता है।

कावेरी मानती हैं कि सोनिया के किरदार के लिए तैयारी करने का मतलब था कि उन असली महिलाओं को देखना जो काम पर अपनी ताकत और घर पर अपनी कमजोरी के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के किरदार निभाना उन्हें पसंद हैं, जो उन्हें कुछ नया करने की चुनौती दे। कावेरी ने कहा, मैं जानबूझकर स्क्रीन पर खुद को दोहराने से बचती हूं। सोनिया ने मुझे एक ही भूमिका में महत्वाकांक्षा, जुनून, कमजोरी और दिल टूटने का अहसास दिखाने का मौका दिया। मैं कई परतों वाली खामियों से भरे किरदारों और ऐसी कहानियों को तलाशना पसंद करती हूं, जो मुझे चुनौती दें, फिर चाहे वो फिल्म, ओटीटी, या टीवी किसी से भी जुड़े क्यों न हों। आगे भी मैं खुद को चुनौती देने वाले किरदार निभाना चाहूंगी। दूरियां एक यूट्यूब सीरीज है, जिसे जार पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें कावेरी प्रियम के किरदार को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इसके निर्देशक मोहित झा हैं।

खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करें केटलबेल हैलो एक्सरसाइज

केटल बेल हैलो एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो मुख्य रूप से कंधों और बाजुओं को मजबूत बनाने के लिए की जाती है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको एक केटल बेल की जरूरत होती है। इसे सही तरीके से करने पर आपके कंधों की ताकत बढ़ती है और आप रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए तैयार रहते हैं। आइए जानते हैं कि केटल बेल हैलो कैसे की जाती है और इसके दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

केटल बेल हैलो कैसे करें?

केटल बेल हैलो करने के लिए सबसे पहले एक केटल बेल लें और उसे दोनों हाथों से पकड़ें। अब इसे अपने सिर के ऊपर ले जाकर अपने सिर के चारों ओर घुमाएं, फिर इसे वापस अपनी शुरुआत वाली स्थिति में लाएं। इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से करें ताकि आपके कंधे पर ज्यादा दबाव न पड़े। शुरूआत में कम वजन वाले केटल बेल का उपयोग करें और धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं।

सही पकड़ बनाना है जरूरी

केटल बेल हैलो करते समय इसकी पकड़ बहुत अहम होती है। केटल बेल को ऐसे पकड़ें कि आपके हाथ पूरी तरह से खुलें और आप इसे आसानी से घुमा सकें। इसके लिए आपको अपने हाथों को पूरी तरह से खोलना होगा ताकि केटल बेल का वजन आपके हाथों पर बराबर बंट सके। इससे आपके कंधों पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा और आप इसे आसानी से घुमा सकेंगे। सही पकड़ से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

धीरे-धीरे बढ़ाएं गति

केटल बेल हैलो करते समय गति को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। शुरूआत में धीमी गति से करें ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो सके। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ेगी, वैसे-वैसे आप इसकी गति को तेज कर सकते हैं। यह न केवल आपके कंधों को मजबूत बनाएगा बल्कि आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगा। धीरे-धीरे गति बढ़ाने से चोट लगने का खतरा कम होता है और आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

संतुलन बनाए रखें

केटल बेल हैलो करते समय संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर फैलाएं और शरीर का वजन समान रूप से दोनों पैरों पर डालें। इससे आपको संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। संतुलन बनाए रखने से आपके कंधों पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा और आप इसे आसानी से घुमा सकेंगे। सही संतुलन से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

नियमितता रखें

किसी भी एक्सरसाइज का पूरा लाभ पाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। रोजाना कुछ मिनट केटल बेल हैलो करें ताकि आपके कंधे मजबूत हों और आप रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए तैयार रहें। नियमित अभ्यास करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है और आप खुद को अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा यह आपकी मानसिक स्थिति को भी बेहतर बनाता है, जिससे आप अधिक ऊर्जावान और प्रेरित महसूस करते हैं।

जनता की समस्याओं को हल करने में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की है अहम भूमिका : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में 2024 बैच के 13 एवं 2021 बैच के एक अधिकारी शामिल थे। मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशासन की धुरी हैं।

जनता की समस्याओं को हल करने में उनकी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ आपको प्रबुद्ध नागरिक के रूप में समाज की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर समाज के निर्माण में आप सभी अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को पदेन दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक टी.सी. महावर ने मुख्यमंत्री साय को अवगत कराया कि इन अधिकारियों का 7 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हुआ इंडक्शन कोर्स अब समाप्त हो रहा है। इसके बाद ये सभी अधिकारी राज्य के विभिन्न जिलों में डिप्टी कलेक्टर के रूप में सेवा देंगे, जहाँ वे शासन के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को समझेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण के अनुभव भी जाने। उन्होंने कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आपको राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में जनता की सेवा का अवसर मिला है। यह अवसर सभी को नहीं मिलता। पूरे मनोयोग से इस अवसर का लाभ उठाते हुए निष्ठा और समर्पण के साथ अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का काम जनहित की नीतियाँ बनाना है, लेकिन उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों पर ही रहती है। छत्तीसगढ़ एक अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज और वन संपदा है, मिट्टी उर्वरा है और पावर सेक्टर बहुत मजबूत है। राज्य के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी रुकावट था, जो अब अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है। हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का उन्मूलन कर दिया जाएगा। हमारे बहादुर जवान डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के बाद छत्तीसगढ़ और तेजी से विकसित होगा। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के रूप में आपकी जिम्मेदारी भी और अधिक बढ़ जाएगी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज को आगे लाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रशासन में पारदर्शिता लाना हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहाँ सुशासन एवं अभिसरण विभाग बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में ई-ऑफिस प्रणाली भी लागू की गई है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है। अब तक हमें साढ़े 7 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने में आप सभी की भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राजस्व मामले सीधे जनता से जुड़े होते हैं। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों की एक छोटी-सी पहल से भी लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राजस्व मामलों के समयबद्ध निराकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। राजस्व प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर सरल बनाया जा रहा है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त संचालक प्रणव सिंह तथा राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में 'भाओना सीता पाताल गमन' की मनमोहक प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि इस नृत्य नाटिका भाओना के माध्यम से असम राज्य की संस्कृति और भावना का सशक्त प्रदर्शन हो रहा है, जिसे श्रीमंत शंकर देव ने लगभग 500 वर्ष पूर्व लिखा था। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर असम से आए कलाकारों ने पौराणिक ग्रंथ रामायण में वर्णित सीता पाताल गमन प्रसंग पर आधारित नृत्य-नाटिका भाओना सीता पाताल गमन की प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ दोनों में रामायण कालीन संस्कृति की छाप स्पष्ट दिखाई देती है और दोनों राज्यों की सांस्कृतिक परंपराएं आपस में काफी मिलती-जुलती हैं। श्री डेका ने असम के रहने वाले देश के विख्यात गायक जुबीन गर्ग जिनका हाल ही में आकस्मिक निधन हो गया था, उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल डेका ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, श्री रिकेश सेन अन्य जनप्रतिनिधि, राज्यपाल के सचिव डॉ. आर. प्रसन्ना, संस्कृति विभाग के संचालक एवं अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भारतीय संस्कृति की विविधता और उसकी गहराई से अवगत कराया।

स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि समाज की जागरुकता भी जरूरीः मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने सारंगढ़ जिले में आयोजित विशेष कार्यक्रम में स्वच्छता, सेवा और सुशासन को लेकर जनता के बीच संदेश दिया। उन्होंने महात्मा गांधी के सपनों के भारत का स्मरण कर कहा कि गांधीजी का भारत केवल राजनीतिक आज़ादी तक सीमित नहीं था, बल्कि एक स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत की परिकल्पना पर आधारित था।

मंत्री वर्मा ने स्वच्छता शपथ दिलाते हुए कहा कि मैं संकल्प लेता हूं कि स्वयं, परिवार, मोहल्ला, गांव और कार्यस्थल से स्वच्छता की शुरुआत करूंगा। हर सप्ताह 2 घंटे दूंगा और 100 घंटे सालाना स्वच्छता के लिए समर्पित करूंगा।

जब देश स्वच्छ होगा तभी स्वस्थ भारत का निर्माण संभव होगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 25 वर्ष का हमारा प्रदेश संसाधनों और उपलब्धियों से परिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की योजनाएं अंतिम छोर तक पहुंच रही हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने श्रमिक बंधुओं के लिए पंजीयन एवं लाभ वितरण की व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बच्चों की शिक्षा को लेकर श्रम विभाग के प्रयासों की सराहना की। वहीं महतारी वंदन योजना को लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जिसने 70 लाख माताओं तक योजना का लाभ पहुंचाकर देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है। धान बोनस, तेंदुपत्ता संग्रहण, भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार की डायरेक्ट सहायता और डिजिटल तकनीक से राजस्व प्रबंधन जैसे कदमों को उन्होंने सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल बताया।

श्री वर्मा ने जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि समाज की जागरूकता जरूरी है। यदि हम कचरे को सही स्थान पर डालें और सफाई व्यवस्था का पालन करें, तो बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवन संभव है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके अंत्योदय के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सुशासन की असली पहचान है। आज हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ बनाएंगे और स्वच्छता अभियान को सफल करेंगे।

छत्तीसगढ़ को मिला 'बेस्ट सेरीकल्चर स्टेट' का राष्ट्रीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को रेशम उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए भारत सरकार के केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 'बेस्ट सेरीकल्चर स्टेट' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार बोर्ड के 76वें स्थापना दिवस 20 सितंबर 2025 को बेंगलूर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद एवं बोर्ड सदस्य के. सुधाकर के हाथों प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उप संचालक रेशम मनीष पवार ने ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ में रेशम की गतिविधियाँ विशेषकर दूरस्थ आदिवासी अंचलों में रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बनी हैं। वर्तमान में लगभग 78 हजार ग्रामीण महिलों एवं पुरुषों रेशम विभाग की विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर स्व-रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं। राज्य में टसर कीट पालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार पौधारोपण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मेरा रेशम मेरा अभिमान कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिकों ने ग्रामीणों को नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी और उनके प्रश्नों के सरल समाधान भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

इस दौरान रायगढ़ जिले को उत्कृष्ट जिला तथा ललित गुप्ता (ग्राम आमाघाट, तमनार, रायगढ़) को उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री गुप्ता लंबे समय से टसर कृमिपालन से जुड़े हैं और अपने क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के कार्यों की सराहना से यह प्रमाणित होता है कि राज्य रेशम उत्पादन न केवल स्व-रोजगार के अवसर बढ़ा रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

बाढ़ बचाव परिदृश्य पर मंत्री नेताम की उपस्थिति में तातापानी में किया गया मॉक ड्रिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक आपदाओं तथा बाढ़ के दौरान राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आज प्रदेश भर में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले में बाढ़ नियंत्रण और विभागीय समन्वय को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तातापानी पर्यटन स्थल एवं सकेतवा जलाशय में मॉक ड्रिल किया गया। पर्यटन स्थल तातापानी मॉक अभ्यास में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस मौके पर कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल, वनमंडलाधिकारी आलोक बाजपेयी मौजूद रहे।

मंत्री रामविचार नेताम ने मॉक अभ्यास में की गई गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा कभी भी अचानक आ सकती है। इसीलिए आवश्यक है कि सभी विभाग पहले से तैयार रहें और एक दूसरे के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करें। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण, लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया। गोताखोर दल ने जलाशय में उतरकर फंसे हुए लोगों को बचाया। उन्होंने कहा कि मॉक अभ्यास इस दिशा में एक उपयोगी कदम है।

गौरतलब है कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में त्वरित और समन्वित कार्रवाई ही जन-जीवन को सुरक्षित कर सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आज प्रशासन ने विभिन्न विभागों, पुलिस, नगरसेना, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन दल की संयुक्त भागीदारी सुनिश्चित करते हुए मॉक अभ्यास किया गया। अभ्यास की शुरुआत में बाढ़ परिदृश्य को इस तरह गढ़ा गया मानो अचानक भारी वर्षा से जलाशय का जलस्तर बढ़ गया हो और आसपास के गांवों में पानी भरने लगा हो। मुनादी के माध्यम से आसपास के नागरिकों को सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और अधिकारियों ने किया श्रमदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के अंतर्गत बिलासपुर नगर निगम द्वारा आयोजित सामूहिक श्रमदान में सहभागिता करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय गार्डन और उसके आसपास के स्थानों की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री साव ने इससे पूर्व एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने दीनदयाल गार्डन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री साव ने गार्डन में विधायक धरमलाल कौशिक और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ झाड़ू लगाकर कचरा साफकिया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों को साड़ी और किट भी वितरित किए। बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सभापति विनोद सोनी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, निगम आयुक्त अमित कुमार और जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल भी अभियान में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय देश के बड़े विचारक और चिंतक थे। उन्होंने आधुनिक राजनीति को एक नई दिशा दी। देश की विरासत के अनुरूप हमारा देश तरक्की करे, ये उनका विचार था। उनकी विचारधारा के अनुरूप देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आगे ले जा रहे हैं। पंडित श्री उपाध्याय अंत्योदय के प्रणेता थे, जिनका मानना था कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक मिले। इस दिशा में आज पूरे देश में कार्य किए जा रहे हैं। पीएम आवास, आयुष्मान भारत योजना, सबके घरों में शौचालय, उज्जवला योजना इसका प्रमाण है। इन सभी योजनाओं से देश के जरुरतमंद परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री साव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वच्छता को जीवन में सर्वोच्च स्थान दिया। इसका सीधा संबंध हमारी बेहतरी और स्वास्थ्य से है। भारत सरकार और राज्य सरकार स्वच्छता पर लगातार काम कर रही है। जनभागीदारी और सबके सहयोग से यह अभियान पूरा और सफल होगा। श्री साव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने पौधारोपण भी किया।

जीएसटी 2.0 पर व्यापारियों से की चर्चा

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने व्यापार विहार व्यापारी संघ के साथ बैठक कर जीएसटी 2.0 पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान बताया कि जीएसटी 2.0 ने बाजार पर भरोसा बढ़ाया है। आम जनता और व्यापारी इससे खुश हैं। जीएसटी 2.0 से खरीदारी सस्ती हुई है और देश में आर्थिक उत्साह बढ़ा है। जीएसटी में किए गए बदलाव पर व्यापारी संघ ने हर्ष जताया। श्री साव ने बैठक के बाद पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को यूपीआई बॉक्स वितरित किए।

बलरामपुर बाजार परिसर में किया गया सामूहिक श्रमदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने स्वच्छता अभियान तहत बलरामपुर स्थित बाजार परिसर में एक दिन-एक घंटा स्वच्छा ही सेवा अभियान के तहत कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने सामूहिक श्रम कर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं है, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छता हर नागरिक का दायित्व है। इसके लिए हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से हर कार्य आसानी से संभव है। हम सभी प्रतिदिन थोड़ी देर भी सफाई के लिए निकालें तो पूरा जिला स्वच्छ और साफ हो जाएगा।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि जब हम सब मिलकर एक दिन, एक घंटा, एक साथ-सफाई के लिए समय देंगे, तभी स्वच्छ जिला, राज्य और देश बनेगा। स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियों से बचाव होता है, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति भी होती है। मंत्री नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास को सफल बनाने जिले के आम नागरिकों से स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

दुर्ग हत्याकांड की गुत्थी सुलझी: एक लाख की सुपारी पर महिला की निर्मम हत्या, छह आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के पुलगांव थाना अंतर्गत ग्राम टेमरी (नगपुरा) में 20 सितंबर को पत्थर से कुचली गई महिला की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इसे अंधेकत्ल मानकर जांच शुरू की और अब इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा कर दिया है। मामला ठगी और धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ निकला, जहां नौकरी लगाने के नाम पर वसूले गए पैसों की शिकायत करने पर महिला की हत्या की साजिश रची गई। पुलिस ने इस पूरे मामले को सुपारी किलिंग करार देते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

20 सितंबर को ग्राम टेमरी में अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। शव का चेहरा बुरी तरह पत्थर से कुचला गया था ताकि पहचान छिपाई जा सके। नगपुरा चौकी पुलिस ने मर्ग क्र. 87/2025 व अपराध क्र. 402/2025 धारा 103 बीएनएस दर्ज कर जांच शुरू की। मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एफएसएल टीम और प्रशिक्षु आईपीएस भी पहुंचे। जांच के दौरान शव की पहचान गंगोत्री उर्फगंगा जांगड़े (निवासी ग्राम दादर, हाल पोटिया चौक दुर्ग) के रूप में हुई।

पुलिस विवेचना से पता चला कि गंगोत्री जांगड़े पिछले 7-8 महीनों से दो लोगों के संपर्क में थी। वह उन्हें नौकरी दिलाने के नाम पर लगातार रकम देती आ रही थी। लेकिन नौकरी न मिलने से परेशान होकर उसने आरोपियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। 19 सितंबर को गंगोत्री ने आरोपी को चेतावनी दी कि यदि अगले दिन तक नौकरी का इंटरव्यू नहीं हुआ तो वह पुलिस में शिकायत कर देगी। इससे घबराकर आरोपी ने उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथी निर्भय जांगड़े निवासी जालबांधा को गंगोत्री की हत्या के लिए एक लाख रुपए देने का सौदा किया। यह रकम निर्भय के ग्रामीण बैंक खाते में ट्रांसफर भी की गई। साजिश में हेमलता बंजारे भी शामिल हुई। तीनों ने विडियो कॉल कॉन्फ्रेंसिंग कर हत्या की योजना बनाई। हेमलता के खाते में भी पूर्व में बड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी। ढाबे के बहाने बुलाकर की हत्या योजना के मुताबिक 19 सितंबर की रात आरोपी ने गंगोत्री को ढाबे चलने के बहाने घर से बाहर बुलाया। रात करीब 9 बजे निर्भय और उसका साथी उसे बाइक से लेकर निकले। टेमरी पहुंचने पर निर्भय ने बेल्ट निकाला और साथी ने गंगोत्री को जमीन पर पटक दिया। बेल्ट और चुनरी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। पहचान छुपाने के लिए चेहरा पत्थर से कुचल दिया गया। लूट और सबूत छुपाने की कोशिश हत्या के बाद मृतका के आभूषण उतार लिए गए, लेकिन वे आर्टिफिशियल होने के कारण बाद में पर्स सहित फेंक दिए गए। गंगोत्री का मोबाइल निर्भय ने अपने पास रखा और बाद में दोस्तों को घटना बताकर छुपाने दे दिया। आरोपी ढाबे में खाना खाकर बाफना टोल प्लाजा होते हुए कातुल बोर्ड लौट आए। हत्या में प्रयुक्त बाइक (सीजी 07 डीवाई 4975) को भी आरोपी ने एक मित्र के पास छुपा दी।

पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद 25 सितंबर को छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें निर्भय जांगड़े, 19 वर्ष, निवासी जालबांधा खैरागढ़ जयदीप साहू, 19 वर्ष, निवासी कातुल बोर्ड दुर्ग मनीष बंजारे, 19 वर्ष, निवासी आशा नगर दुर्ग पवन कुमार सिंह, 18 वर्ष, निवासी कातुल बोर्ड भिलाई हेमलता बंजारे, 38 वर्ष, निवासी कातुल बोर्ड भिलाई पुलिस ने इनके खिलाफ हत्या, आपराधिक षड्यंत्र, साक्ष्य छुपाने, लूट और अपराधी को संरक्षण देने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीम संभावित स्थलों पर रवाना की गई है।

रायपुर में ऑयल फैक्ट्री में लगी आग, आसपास हड़कंप

रायपुर। सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र के फेस वन में स्थित टायर जलाकर ऑयल बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। करीब आधा दर्जन दमकल की गाड़ी आग बुझाने में लगी है, लेकिन आग बार-बार भड़कती जा रही है। इसके चलते आसमान में दो-तीन किलोमीटर तक धुंआ ही धुंआ नजर आ रहा है। खास बात यह है कि इसी फैक्ट्री के पीछे सड़क के दूसरी ओर कुछ ही दूरी पर आईओसी का वाटलिंग रिफिलिंग प्लांट भी है, जहां घरेलू और कामर्शियल सिलेंडरों में गैस रिफिल होती है। कैप्सूल टैंकरों से गैस यहां आती है। बावजूद इसके आखिर कैसे टायर जलाकर ऑयल बनाने वाली फैक्ट्री को यहां अनुमति मिली है, यह समझ से परे है।

फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों के मुताबिक फैक्ट्री में सुबह आग लगी है। फैक्ट्री में आग बुझाने फायर सिस्टम नहीं है। पानी से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन नहीं बुझी। वहीं दूसरी ओर इस क्षेत्र में टायर जलाकर ऑयल बनाने वाली करीब आधा दर्जन फैक्ट्रियों के कारण लोगों का सांस लेना भी मुश्किल है, क्योंकि टायर जलाकर ऑयल बनाने के दौरान आसपास के दर्जनभर गांवों तक इसकी दुर्गंध से लोग परेशान हैं।

श्रमिक के ऊपर गर्म राख गिरा, मौत

रायगढ़। अग्रोहा प्लांट में काम करते समय एक श्रमिक गर्म राख से झुलस गया। जहां उसे ईलाज के लिए अस्पताल लाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मामले की सूचन पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्रामीण चवंरपुर का रहने वाला उमेश चौहान 20 साल करीब 3 माह से गेरवानी स्थित अग्रोहा स्टील प्लांट में लेबर कॉलोनी में रहकर मजदूरी काम कर रहा था। जहां बुधवार को प्लांट में उसकी ड्यूटी ए शिप्ट में रखी थी और वह जब प्लांट में काम करने गया, तो इस दौरान चिमनी के चेंबर में राख जाम मिला, जिसे निकालने की उसने कोशिश की, तो अचानक से काफी मात्रा में गर्म राख उसके उपर गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गया। जब घटना को आसपास के अन्य मजदूरों ने देखा, तो वहां काफी संख्या में मजदूरों की भीड़ इक्ट्ठा हो गई।

गाड़ियों में पेट्रोल छिड़ककर फूंका, जांच शुरू

कोरबा। गांव में दहशत फैलाने की मंशा से अज्ञात लोगों ने कार और दो बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना से गांव में मचे हड़कंप के बीच ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़कर कार्रवाई करने की मांग की है। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलकेजा में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अज्ञात लोगों ने एक इको वाहन और दो मोटरसाइकिलों को आग लगा दी। वाहन मालिक नरेंद्र उरांव ने आगजनी से लाखों रुपए के नुकसान की बात कहते हुए इसे सोची-समझी साजिश का हिस्सा बताया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

दुर्गा पंडाल से लौटते समय युवक की हत्या, मचा हड़कंप

कोरिया। जिले के पटना थाना क्षेत्र में बीती रात दुर्गा पूजा पंडाल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गए युवक राहुल यादव (32 वर्ष) का शव कुड़ेली के पास सड़क पर मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी पर फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और प्रथम दृष्टया युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई गई है। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत पटना के वार्ड क्रमांक 13, परसापारा निवासी राहुल यादव बुधवार की रात सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए घर से निकले थे। रातभर वह घर नहीं लौटे। परिजन उनकी खोजबीन कर रहे थे। सुबह लगभग 8 किलोमीटर दूर कुड़ेली पास सड़क पर उनका शव पड़ा मिलने की जानकारी मिली। शरीर पर गंभीर चोट के निशान मौके पर पहुंची पटना पुलिस ने फॉरेंसिक एक्सपर्ट की मौजूदगी में शव का पंचनामा किया। शव के कान से खून निकल रहा था, वहीं चेहरे, सीने और पीठ पर चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया, जिसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कोतरारोड़ पुलिस ने शादी का प्रलोभन देकर युवती से लगातार शारीरिक शोषण करने वाले फरार आरोपी सोनुमुड़ा नवापारा निवासी 26 वर्षीय आतिश द्वितीया पिता रमेश कुमार द्वितीया को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। घटना को लेकर 12 सितंबर 2025 का है, जब पीड़िता ने थाना कोतरारोड़ में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में युवती ने बताया कि करीब चार साल पहले उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से आतिश चौहान से हुई थी। बातचीत बढ़ने पर आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर विश्वास में लिया और अप्रैल 2023 में अपने दोस्त के घर से घुमाने के बहाने मोटरसाइकिल में बैठाकर कोकडीतराई स्थित परिचित के मकान में ले गया। वहां पहली बार उससे शारीरिक संबंध बनाया और इसके बाद अलग-अलग जगहों पर कई बार शोषण करता रहा।

पीड़िता ने कई बार शादी की बात उठाई, लेकिन आरोपी हर बार टालमटोल करता रहा। आखिरकार 11 सितंबर 2025 को आरोपी ने साफशब्दों में शादी से इंकार कर दिया और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। लगातार धोखे और उत्पीड़न से परेशान युवती ने थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 371/25 धारा 351(2), 69 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज के निर्देशन पर आरोपी की तलाश की गई, लेकिन वह फरार हो गया था।

उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त ने पीड़िता का बयान दर्ज कर मेडिकल जैसी महत्वपूर्ण कार्यवाही पूरी की। इस बीच आज आरोपी की मौजूदगी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेज दिया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज, उपनिरीक्षक कुसुम केवर्त और उनकी टीम के आरक्षक चंद्रेश पाण्डेय, संदीप कौशिक, चूड़ामणी गुप्ता और राजेश खांड़े की सक्रियता महत्वपूर्ण रही, जिससे फरार आरोपी को धर दबोचने में सफलता मिली।

हेरोईन की सप्लाई करते दो युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देवपुरी में हेरोईन की सप्लाई करते दो युवक गिरफ्तार किए गए है। टिकरापारा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि टिकरापारा थाना क्षेत्रांतर्गत देवपुरी स्थित कर्मा काम्पलेक्स के बाजू गली में 02 व्यक्ति अपने पास मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) रखें है तथा बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी टिकरापारा के नेतृत्व में थाना टिकरापारा पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों की पतासाजी करते हुये चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम जागृत साहू एवं सत्यम सिंग निवासी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनकी तलाशी लेने पर उनके पास हेरोईन (चिट्टा) रखा होना पाया गया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9.22 ग्राम हेरोईन (चिट्टा), एक इलेक्ट्रानिक डिजीटल तराजू तथा घटना में प्रयुक्त बुलेट वाहन जुमला कीमती लगभग 2,40,222/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 755/25 धारा 21(बी) नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है। गिरफ्तार आरोपी में जागृत साहू पिता खिनेश साहू उम्र 23 साल निवासी श्रीनगर कालोनी रूद्री थाना रूद्री जिला धमतरी। हाल पता - कमल विहार सेक्टर 04 ई.डब्ल्यू.एस. मकान थाना टिकरापारा रायपुर। सत्यम सिंग पिता अजीत कुमार सिंग उम्र 24 साल निवासी अमलीडीह जी वैशाली कालोनी सेंट जोसफ स्कुल के पास थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर है।

रायगढ़ में अंधे कत्ल का हुआ खुलासा, पत्नी की हत्या करने वाला पति निकला आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छाल पुलिस ने एक अंधे कत्ल का राजफाश कर पत्नी की हत्या करने वाले पति को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। ग्राम ऐडुकला की रहने वाली 26 वर्षीय शारदा श्रीवास की मौत को शुरू में आकस्मिक समझा गया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हकीकत सामने आई कि उसकी मौत प्राकृतिक नहीं बल्कि हत्या है।

एक सुराग ने मामले को नया मोड़ दिया और पुलिस ने गुत्थी को सफलतापूर्वक सुलझाया। जानकारी के अनुसार 6 सितंबर को शारदा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उसके पिता और भाई उसे सीएचसी कटघोरा ले गए थे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 23 सितंबर को यह मर्ग डायरी जांच के लिए थाना कटघोरा से थाना छाल को सौंपी गई। थाना प्रभारी छाल निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी ने बारीकी से जांच शुरू की और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु की प्रकृति होमीसाइडल पाई गई। इस खुलासे के बाद मायके पक्ष व गांव के लोगों से पूछताछ की गई, जिसमें पता चला कि मृतका का पति धनेश्वर श्रीवास अक्सर उससे मारपीट करता था।

पुलिस ने संदेह के घेरे में आए पति से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने कबूल किया कि 3 सितंबर की रात खाने में हुए विवाद पर उसने हाथ-पैर से पत्नी की जमकर पिटाई की थी। चोटों से उसकी हालत बिगड़ी और इलाज के दौरान

उसकी जान चली गई। छाल पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से क्राइम सीन री-क्रिएट कराया, महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और आरोपी के कबूलनामे की वीडियो फोटोग्राफी भी की। इसके बाद आरोपी धनेश्वर श्रीवास को हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन और एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के मार्गदर्शन में इस सनसनीखेज खुलासे में थाना प्रभारी छाल निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के साथ एएसआई शिव कुमार खरे, प्रधान आरक्षक शंभू पांडेय, शंकर सिंह और आरक्षक भूपेश राठिया की सराहनीय भूमिका रही।

लापता राइस मिलर की बेमेतरा में मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के बड़े राइस मिलर अनिल बंसल का शव आज बेमेतरा जिले के शिवनाथ नदी में तैरते हुए मिला। शव के डिस्पोज होने से मचांदूर मेडिकल कालेज पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले में पुलिस जांच में जुटी हुई है। दुर्ग कादंबरी नगर निवासी और ग्राम समोदा स्थित बजरंग एग्रोटेक (राइस मिल) के संचालक अनिल बंसल के गुमशुदगी की रिपोर्ट कल देर रात परिजनों ने मोहन नगर थाना में दर्ज कराई थी। जिसके बाद से पुलिस और परिजन लगातार पतासाजी में जुटे हुए थे। आज पुलिस को उसके कार की जानकारी मिली। मृतक अनिल बंसल की कार नंदिनी थाना क्षेत्र के अरसनारा एनीकेट के करीब लावारिश हालत में मिली।

जांच करने पर पुलिस को मृतक की चप्पल दिखाई दी। जिसके बाद अंदेशा हुआ कि कहीं न कहीं कोई दुर्घटना हो चुकी है, आज सुबह से ही SDRF की टीम ने मोर्चा संभाल लिया था। वहीं पुलिस को अलग अलग 3 स्थानों से लोगों के द्वारा बनाए वीडियो मिले जिसमें एक शव बहते हुए नजर आ रहा है। चूंकी नदी में पानी का बहाव काफी तेज था तो किसी ने नदी में उतरकर शव को किनारे लाने की जोखिम नहीं उठाया। आखिरकार SDRF को बेमेतरा जिले के देवकर थाना अंतर्गत परोपड़ा गांव के शिवनाथ नदी में शव तैरते हुए बरामद हुआ। SDRF ने शव को रेस्क्यू कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। चुकी 24 घंटे से अधिक का समय शव को पानी में डूबने के कारण शव डिस्पोज होने लगा था। इसलिए शव को सरकारी मेडिकल कालेज कचंदूर भेजा गया है।

स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
नगर सेवायें विभाग (दुकान अनुभाग)
आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण 'को सूचित किया जाता है कि श्री हरिहर प्रसाद शाह पुत्र स्व. दूधनाथ शाह (आधार न. 5602 3010 4809) पता शॉप न. 55, के-5, नेताजी मार्केट, शिव मंदिर के पास, जोन 2, वार्ड 31, सेक्टर-11, खुर्सीपार भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.). जो कि भिलाई इस्पात संयंत्र के भूखण्ड में निर्मित लाइसेंस शॉप क्रमांक 55 'के-5' मार्केट, सेक्टर-11, भिलाई नगर, की लाइसेंस धारक है, जिसका लाइसेंस आवंटन आदेश कमांक 3084 दिनांक 17-8-78 हैं। ने उक्त दुकान का मलवा/ढांचा का स्वामित्व, श्री अभिषेक शाह पुत्र-श्री ओमप्रकाश शाह (आधार न. 2514 3589 9971) पता-मछली मार्केट, काली मंदिर रोड, वार्ड न. 31, जोन 2, सेक्टर-11, खुर्सीपार भिलाई. जिला-दुर्ग (छ.ग.). के नाम हस्तान्तरण करने हेतु इस कार्यालय में दिनोंक 11.09.2025 को आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त शॉप कमांक 55 'के-5' मार्केट, सेक्टर-11 भिलाई नगर के मलबे ढांचा तत्संबंधित हस्तांतरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसान, व्यक्तियों, शासकीय/अशासकीय कार्यालयों, बैकों, वित्तीय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति / दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। मियाद/अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मुहर से आज दिनाँक 20/09/2025 को जारी किया गया।

(सहायकमहाप्रबंधक न.से.दुकान)
नगर सेवायें भिलाई इस्पात संयंत्र

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग (ग्रामीण) जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ऑनलाईन प्रकरण क्रमांक / 202508100400306/विविध/2025
चौकी प्रभारी जेवरा सिरसा, थाना पुलगांव तहसील दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/ चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण / नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर चौकी प्रभारी जेवरा सिरसा, थाना पुलगांव जिला दुर्ग द्वारा अपने चौकी/थाने क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश वाहनों की जानकारी संबंधित परिवहन कार्यालय से लिया जाकर वाहन स्वामियों को वाहन रजिस्ट्रेशन पत्र के साथ उपस्थित होकर वाहन सरंक्षण में लेने हेतु नोटिस जारी किया गया था, जो अदम तामीली प्राप्त होने से नीलामी की कार्यवाही किये जाने बाबत् धारा-28 पुलिस एक्ट अनुसार ईस्तगासा तैयार कर प्रेषित किया गया है।

अत: वाहनों के नीलामी की कार्यवाही के पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से अनुसूची में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे सूची में दर्शित वाहनों के सरंक्षण प्राप्ति हेतु दावा आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 08.10.2025 तक न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा अपने अभिभावक / अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है म्याद वाद पश्चात् उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

चौकी प्रभारी जेवरा सिरसा थाना पुलगांवजिला दुर्ग में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों का विवरण निम्नानुसार है:-

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 24.09.2025 को जारी किया गया।

जी - 252603731/2

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
दुर्ग (ग्रामीण), जिला-दुर्ग

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

गौरवशाली 25 वर्ष

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

हमर छत्तीसगढ़

विकास और विश्वास का नया दौर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

रोजगार

सन् 2000

- बेरोजगारी दर लगभग 6%
- महिला श्रम भागीदारी दर 30%
- स्वरोजगार योजनाएं सीमित
- छत्तीसगढ़ की ज्यादातर आबादी सिर्फ खेती और पारंपरिक कामों पर निर्भर थी

सन् 2025

- बेरोजगारी दर: 2.4%
- महिला श्रम भागीदारी दर: 50.8%
- महिला समूह योजनाओं से रोजगार में वृद्धि
- कृषि के साथ उद्योग, आईटी, पर्यटन, सेवा क्षेत्र व स्वरोजगार में भी रोजगार के अवसर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

RO. No. 45320/1

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950